गुरुमंत्र

संयम स्वर्ण महोत्सव की विनम्र प्रस्तुति

गुरुमंत्र

(१०८ मंत्र)

प्रेरणा

मुनि श्री चन्द्रसागरजी महाराज

प्रकाशक

धर्मोदय परीक्षा बोर्ड

सागर (मध्यप्रदेश)

कृति : गुरुमंत्र

प्रेरणा : मुनि श्री चन्द्रसागरजी महाराज

संस्करण : २८ जून, २०१७

आवृत्ति : ५०००

मूल्य : गुरुमंत्र की जाप

प्रकाशक : धर्मोदय परीक्षा बोर्ड
बाहुबली कॉलोनी
सागर (मध्यप्रदेश)
७५८२९८६२२२

मुद्रक : विकास ऑफसेट, भोपाल

सप्रेम भेंट

आर० के० मार्बल्स ग्रुप

मदनगंज-किशनगढ़

जिला-अजमेर

(राजस्थान)

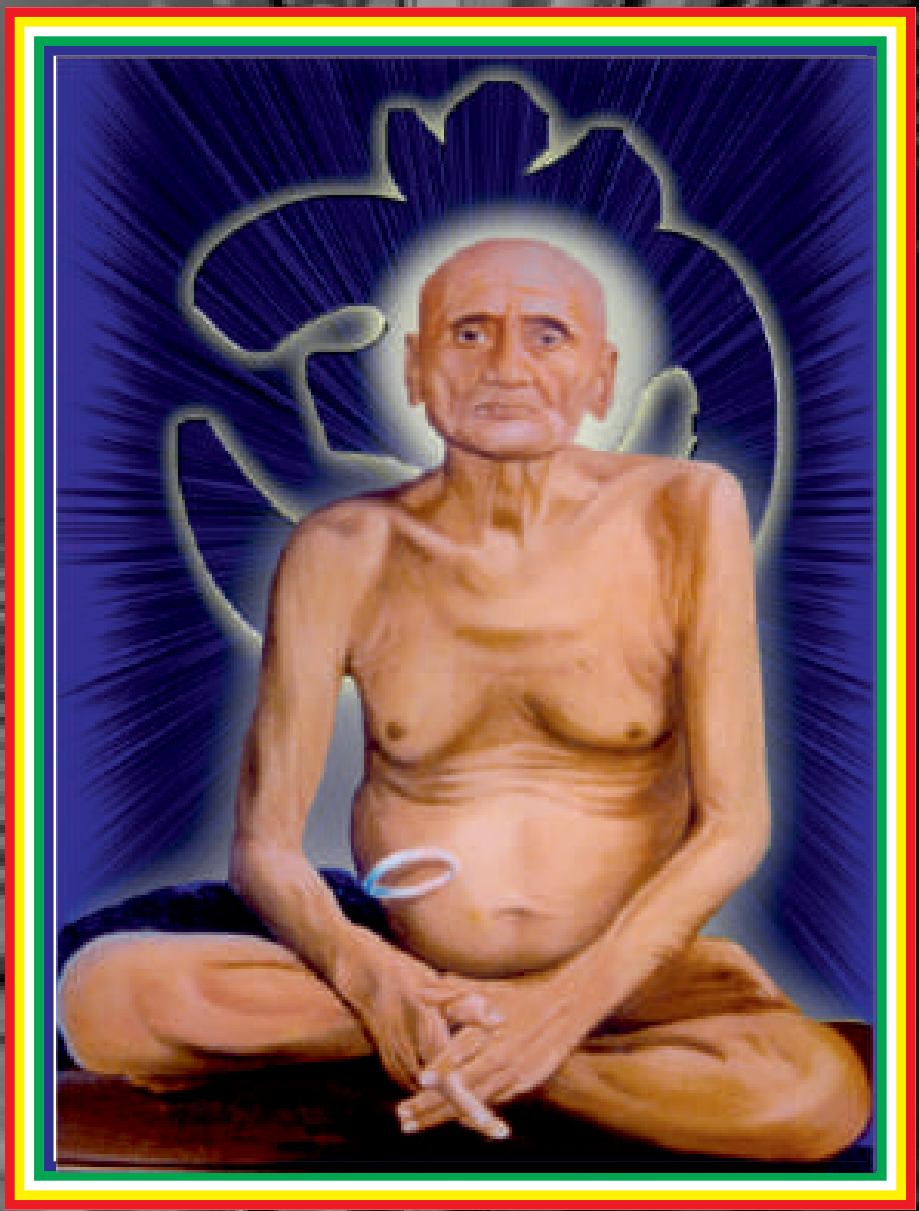

चारित्र चक्रवर्ती आचार्य प्रवर
श्री शान्तिसागरजी महाराज

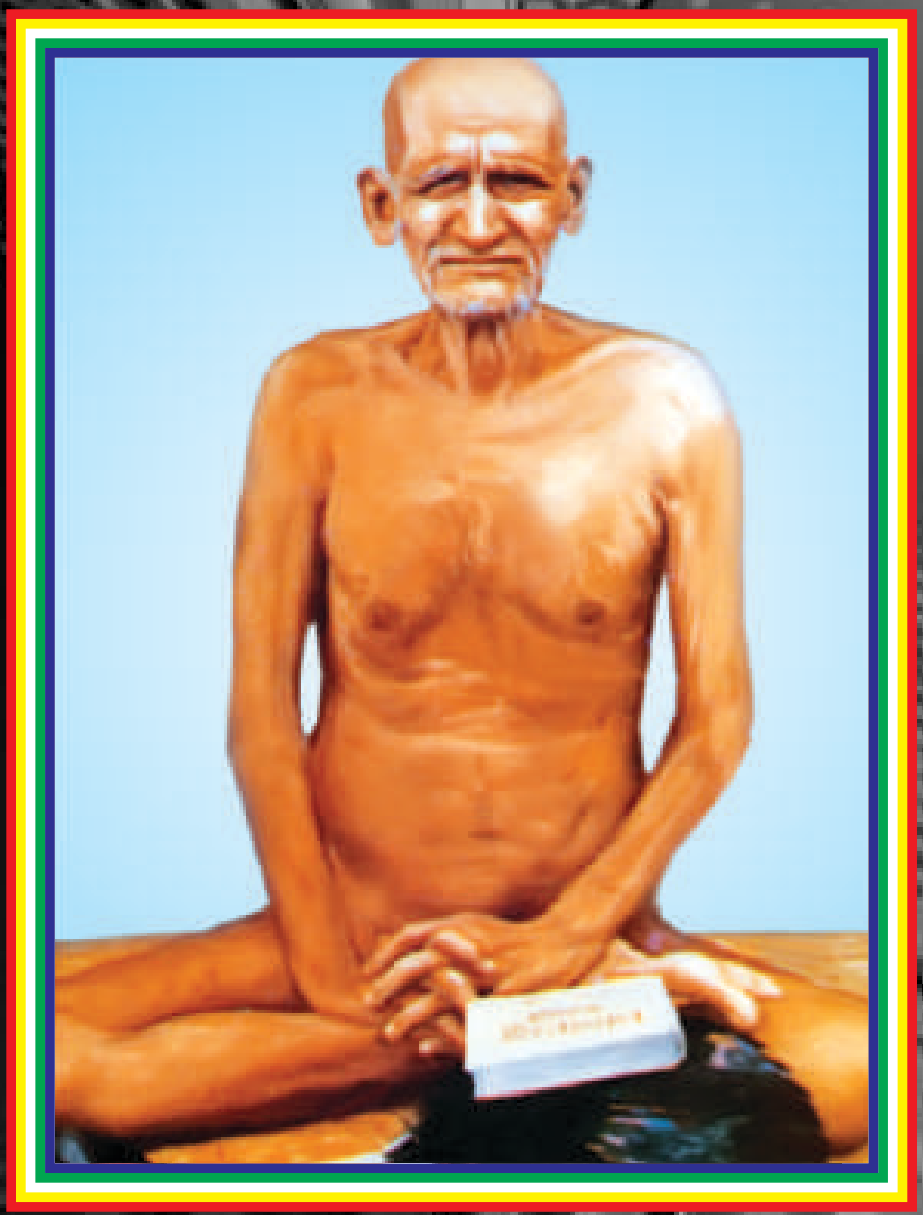

चारित्र चूड़ामणि आचार्य प्रवर
श्री वीरसागरजी महाराज

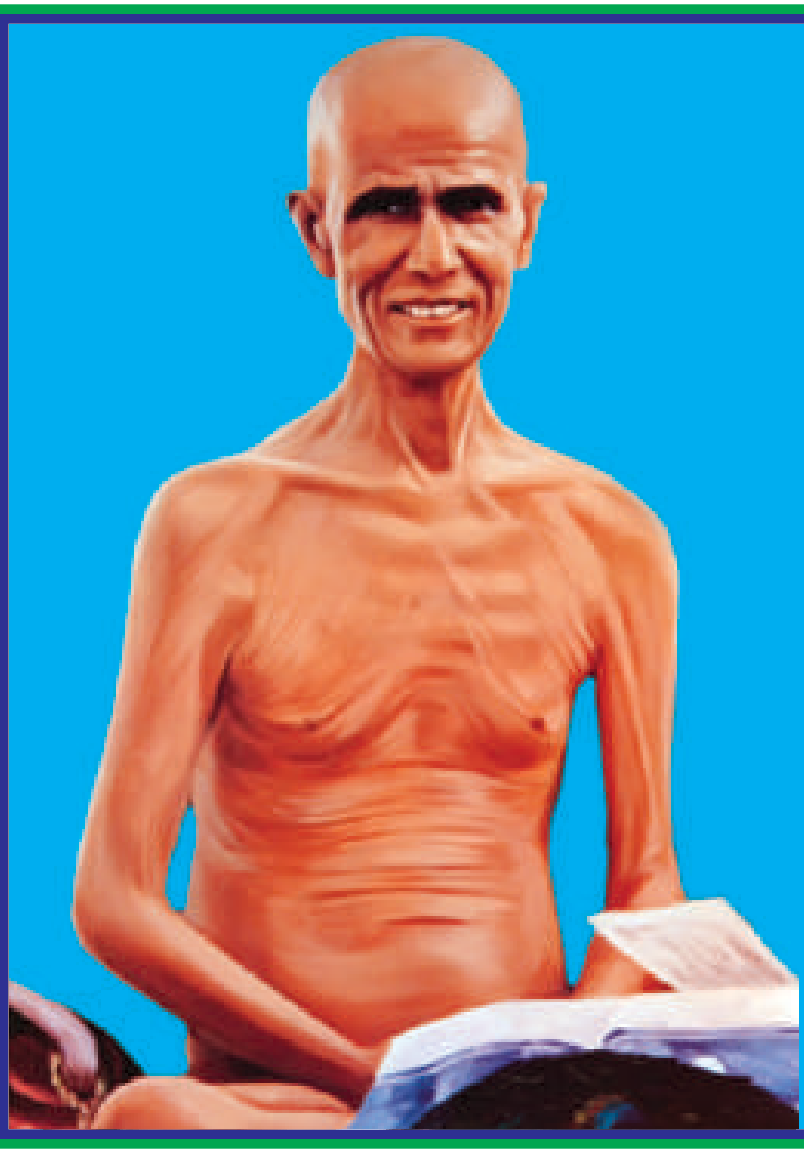

सिद्धान्त वारिधि आचार्य प्रवर
आचार्य श्री शिवसागरजी महाराज

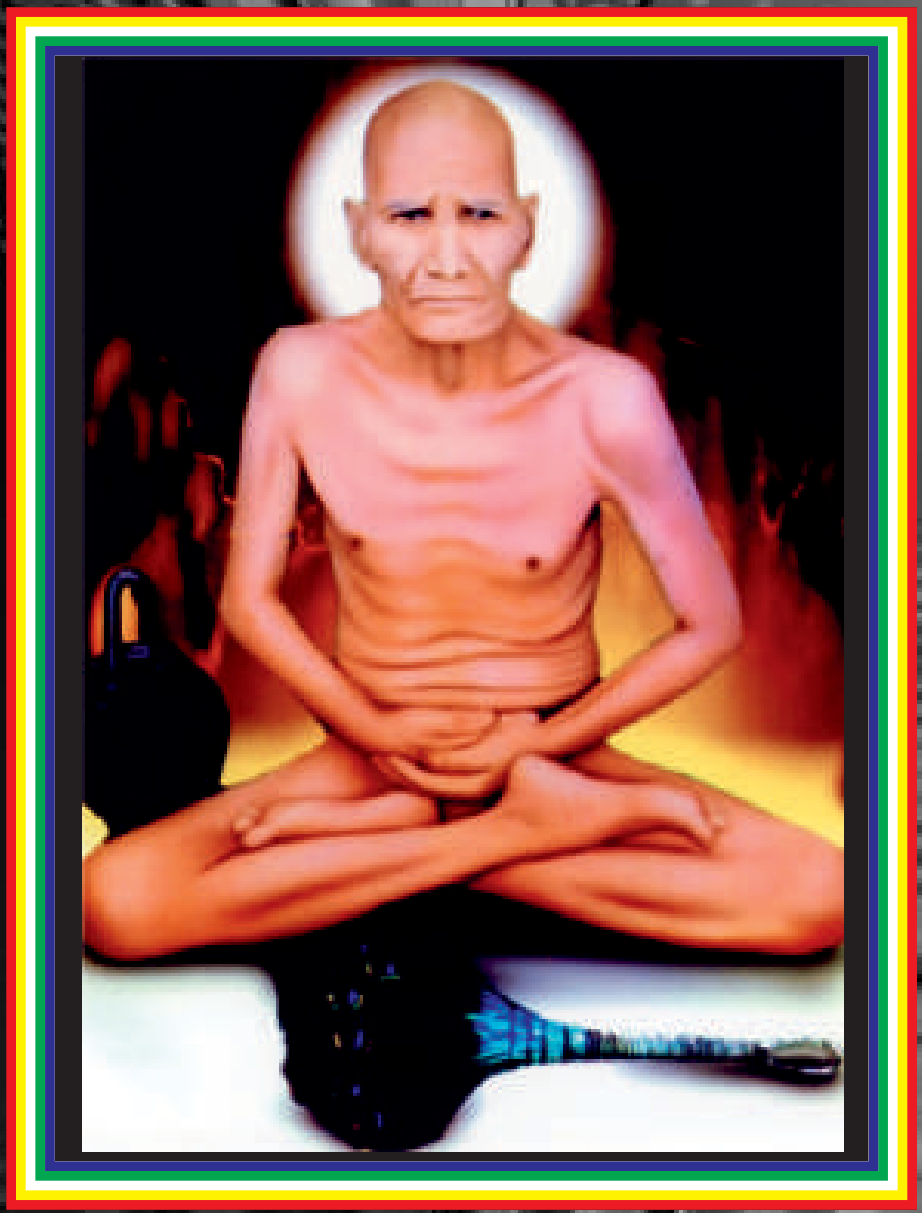

साहित्य मनीषी आचार्य प्रवर
महाकवि श्री ज्ञानसागरजी महाराज

समर्पण

समर्पणअर्पण
उन्हें
जिनसे जिनलिंग
मिला
उन्हीं के
संयम स्वर्ण वर्ष
पर
अर्पण समर्पण
यह
कृति

01

ॐ ह्रूँ प्रसन्नवदनाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

प्रसन्न वदन—प्रसन्न मुखधारी आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

02

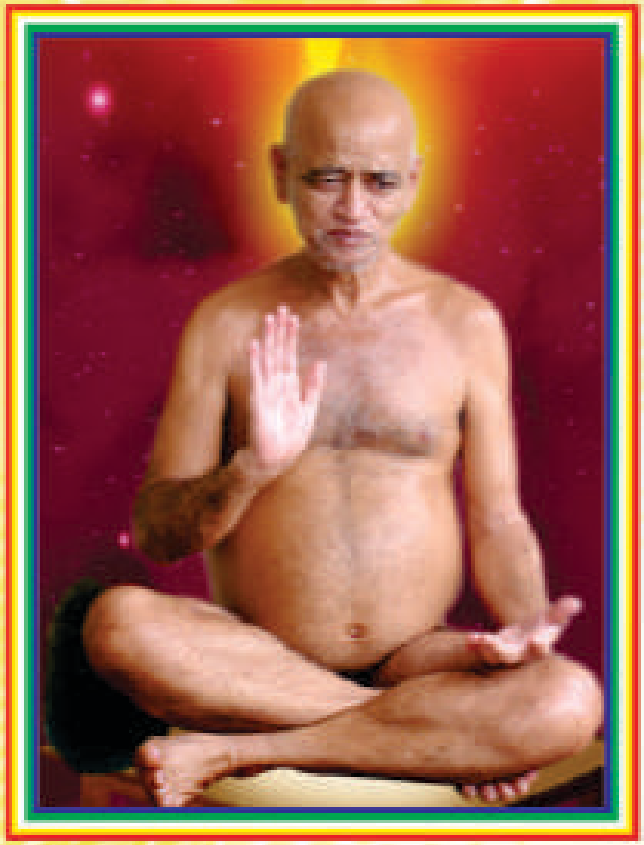

ॐ ह्रूँ प्रशममूर्ति आचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

प्रशममूर्ति–शान्तछविधारी आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

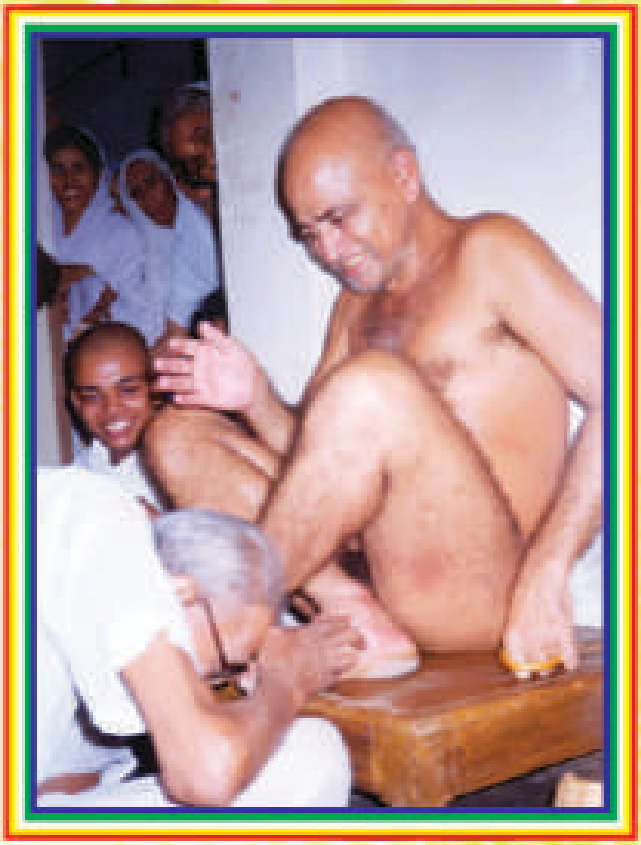

ॐ ह्रूँ करुणा-वात्सल्यमूर्ति आचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

करुणा/वात्सल्य—दया/प्रेम की
छविधारी आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी
महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ निर्ग्रन्थ-दिगम्बरमूर्ति-आचार्य-गुरुवर-श्री विद्यासागर-महामुनीन्द्राय नमो नमः।

निर्ग्रन्थ—परिग्रहरहित, दिगम्बर-दिशा ही जिनके वस्त्र हैं ऐसे आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

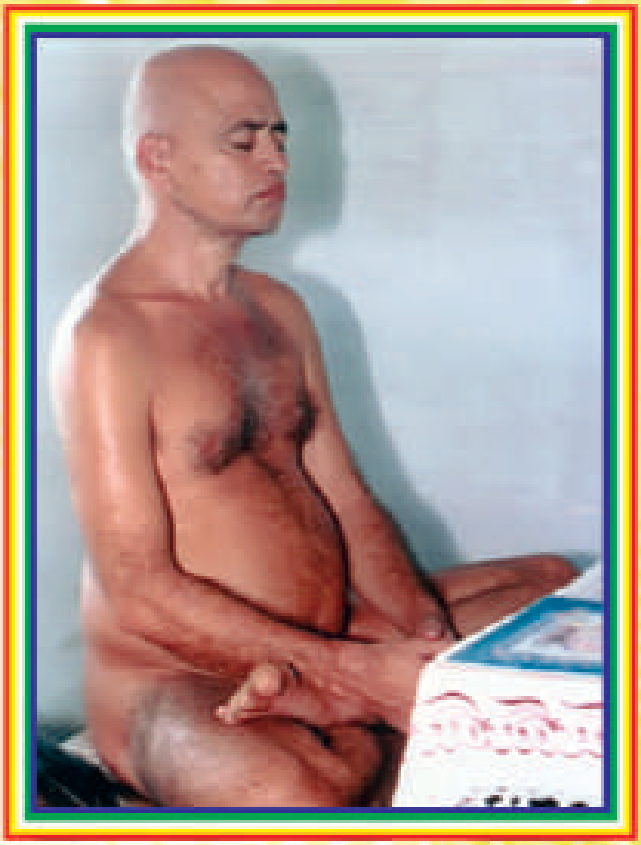

ॐ ह्रूँ निष्काम-निर्विकारमूर्ति-
आचार्य-गुरुवर-श्री विद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

निष्काम–इच्छारहित, निर्विकार–
वासना रहित आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

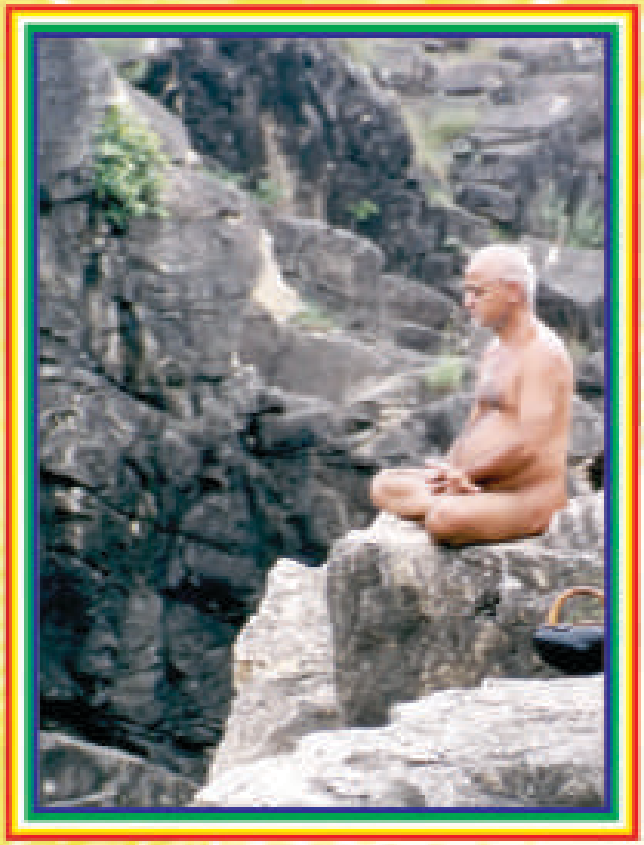

ॐ ह्रूँ निश्चल-निरीहमूर्ति-
आचार्य-गुरुवर-श्री विद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

निश्चल—चंचलता रहित, निरीह—
आसक्ति से रहित आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

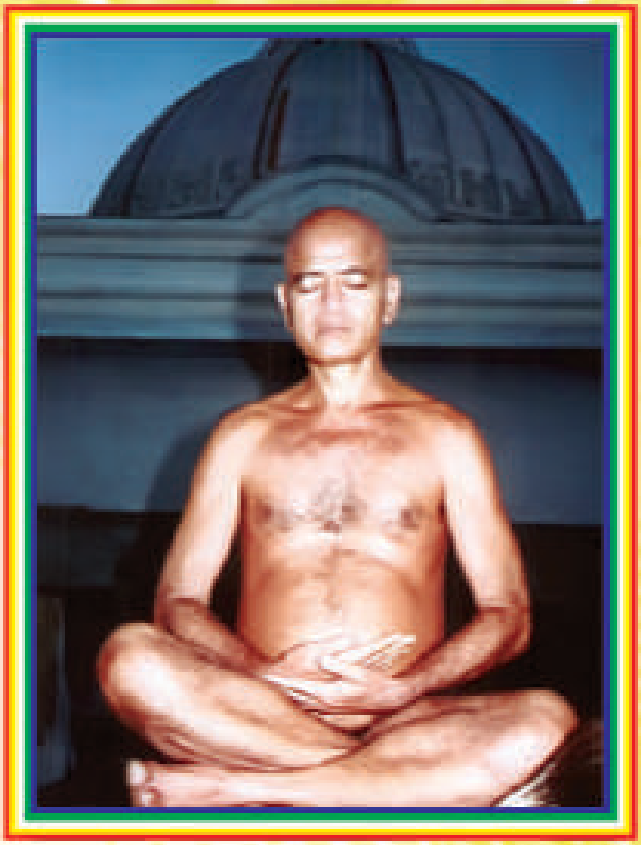

ॐ ह्रूँ जिनशासन-सत्प्रदीपभासुरमूर्ति-
आचार्य-गुरुवर-श्री विद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

जिनशासन सत्प्रदीप भासुर–जिनशासन
के देदीप्यमान दीपक आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

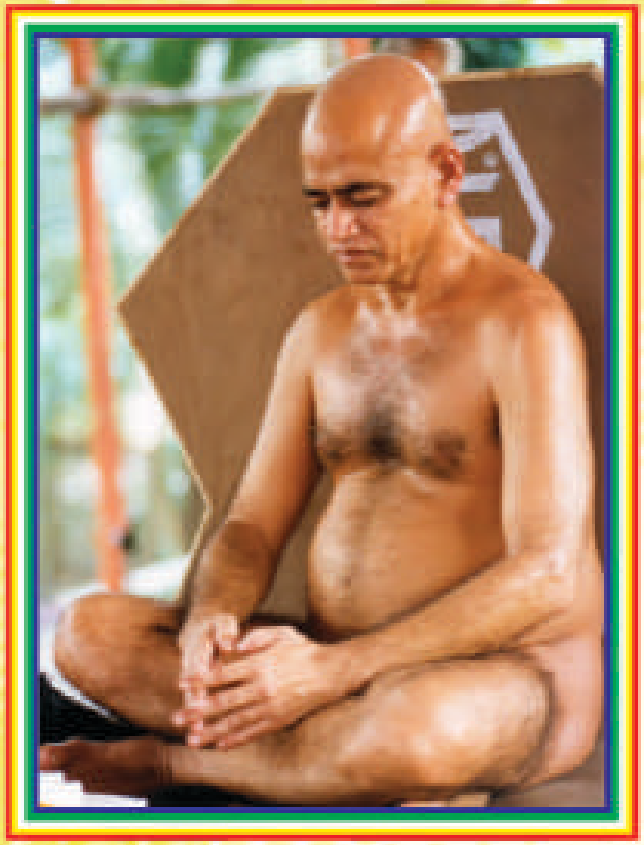

ॐ ह्रूँ प्रशान्तमूर्ति-आचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

प्रशान्त–उपशम/उपशान्त भाव सहित-
कषाय भाव रहित आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ सुभगसौम्यमूर्ति-आचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

सुभग—आकर्षक, सौम्य—सुन्दर छविधारी
आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी
महाराज को नमस्कार हो।

10

ॐ ह्रूँ त्रिशताधिकदीक्षाप्रदातृ-
आचार्य-गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

त्रिशताधिकदीक्षाप्रदातृ—तीन सौ से अधिक दीक्षा प्रदाता आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

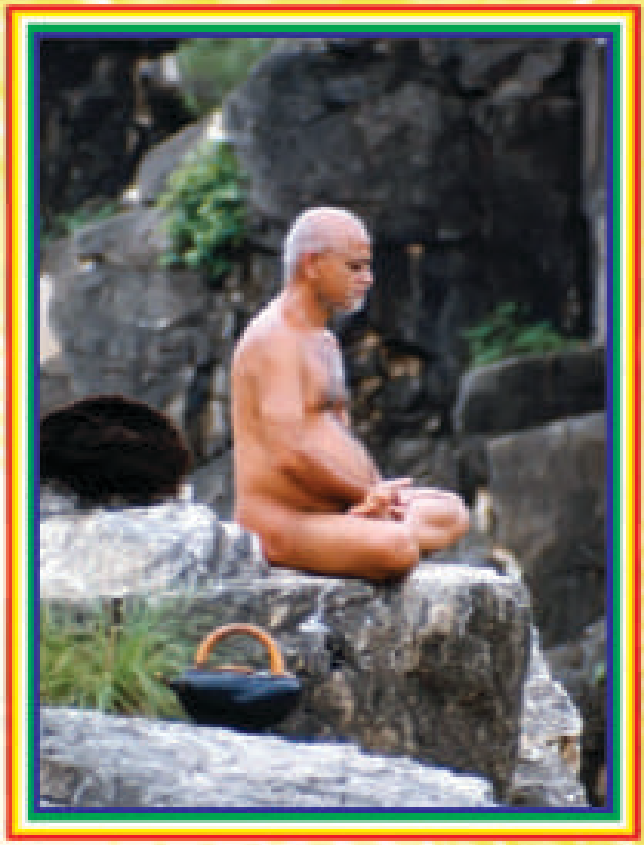

ॐ ह्रूँ शुद्धोपयोगी-महामुनि-आचार्य-गुरुवर-श्रीविद्यासागर-महामुनीन्द्राय नमो नमः।

शुद्धोपयोगी—शुद्ध तत्त्व में जिनका उपयोग है। शुद्ध ही है उपयोग जिनका ऐसे आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

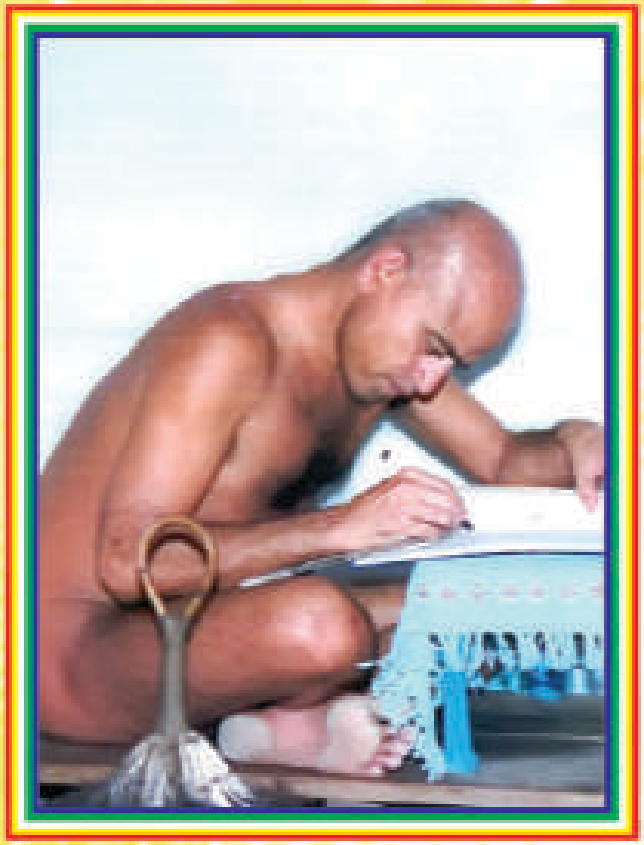

ॐ ह्रूँ मूकमाटी-महाकाव्यकर्तृ-आचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

मूकमाटी महाकाव्य कर्तृ—मूकमाटी महाकाव्य के कर्त्ता आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

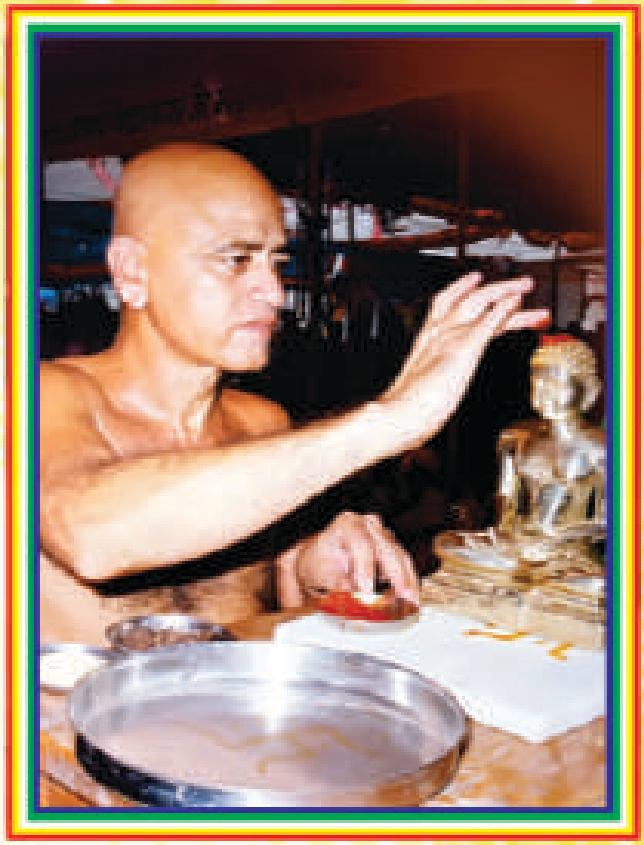

ॐ ह्रूँ स्व-पर-हित-पथानुगामी-आचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

स्वपरहित पथानुगामी—अपने और पर हित के
मार्ग पर चलने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ अविरलमोक्षपथानुयायि-आचार्य-गुरुवर-श्रीविद्यासागर-महामुनीन्द्राय नमो नमः।

अविरल मोक्ष पथानुयायी—निरन्तर
मोक्षपथ के अनुयायी आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

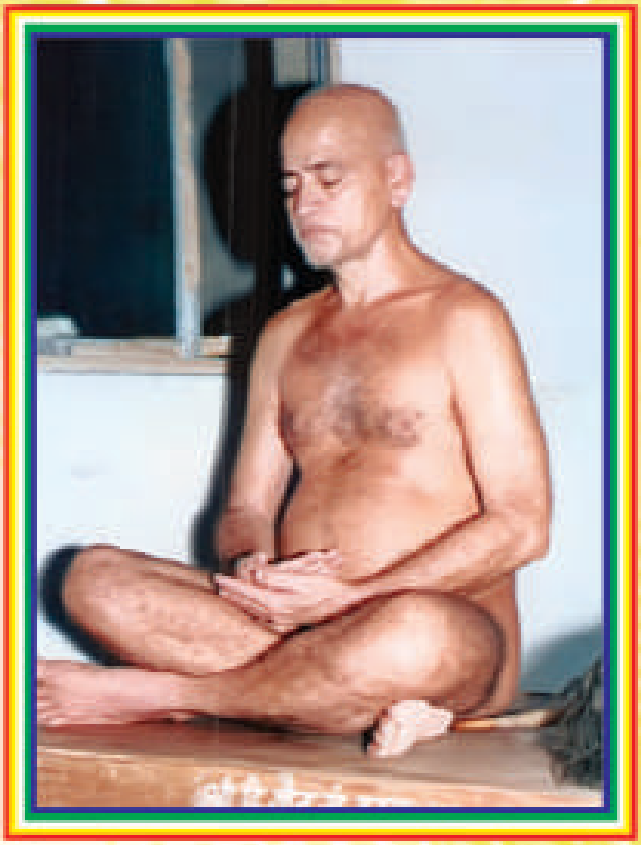

ॐ ह्रूँ सुचरिततपोनिधि-आचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

सुचरित तपोनिधि—सम्यक् चारित्र और
तप के खजाने हैं ऐसे आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

16

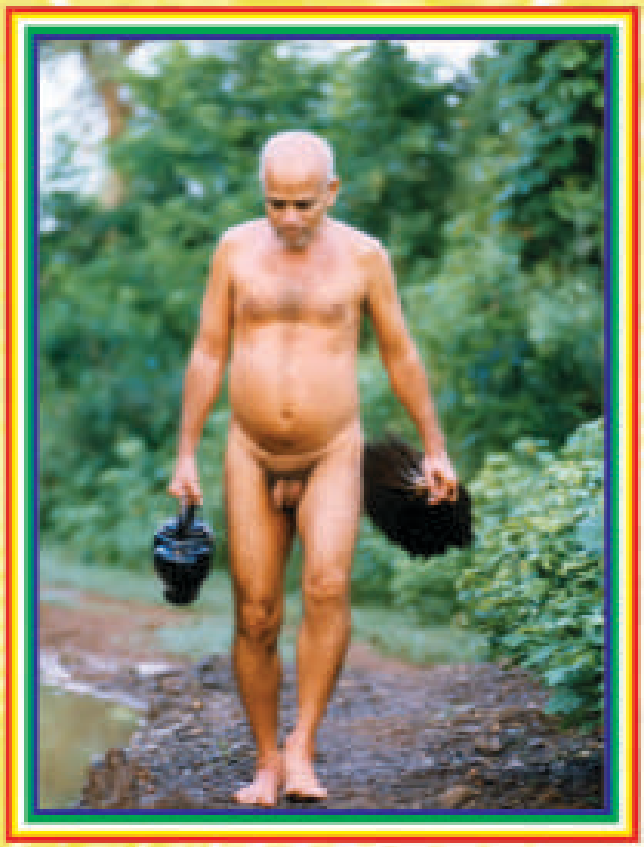

ॐ ह्रूँ सामायिकचारित्रविहारी-आचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

सामायिकचारित्रविहारी—हर समय सामायिक चारित्र में विहार करने वाले आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

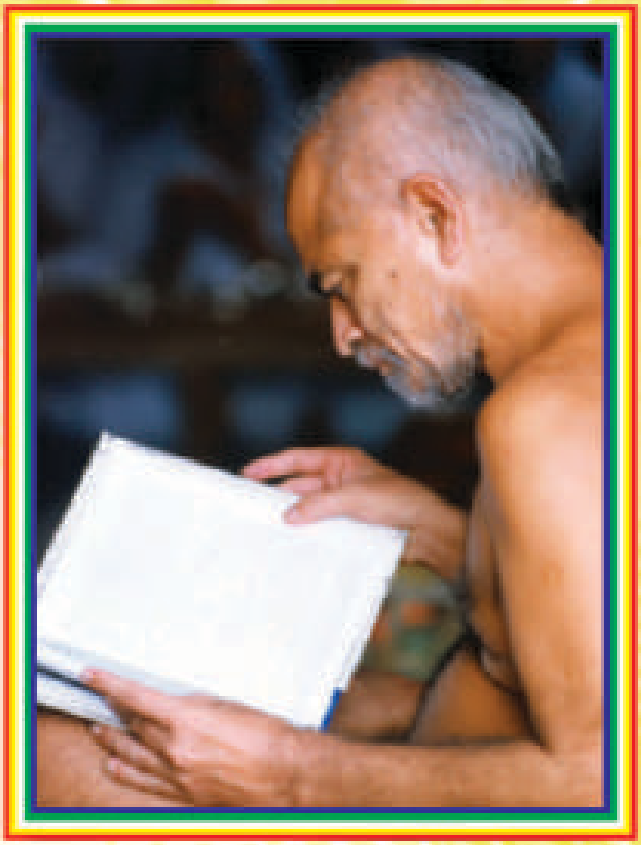

ॐ ह्रूँ श्रुतपारगामी-आचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

श्रुत पारगामी—सारे श्रुत को जानने वाले
आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी
महाराज को नमस्कार हो।

18

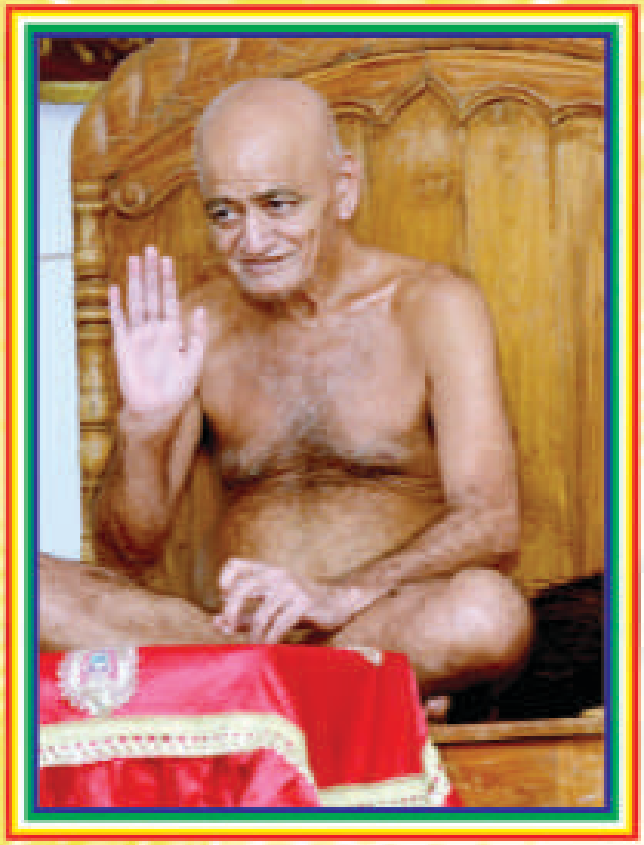

ॐ ह्रूँ गुणमणिविरचितवपु-आचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

गुणमणि विरचित वपु—गुणरूपी मणियों से सुशोभित है शरीर जिनका ऐसे आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

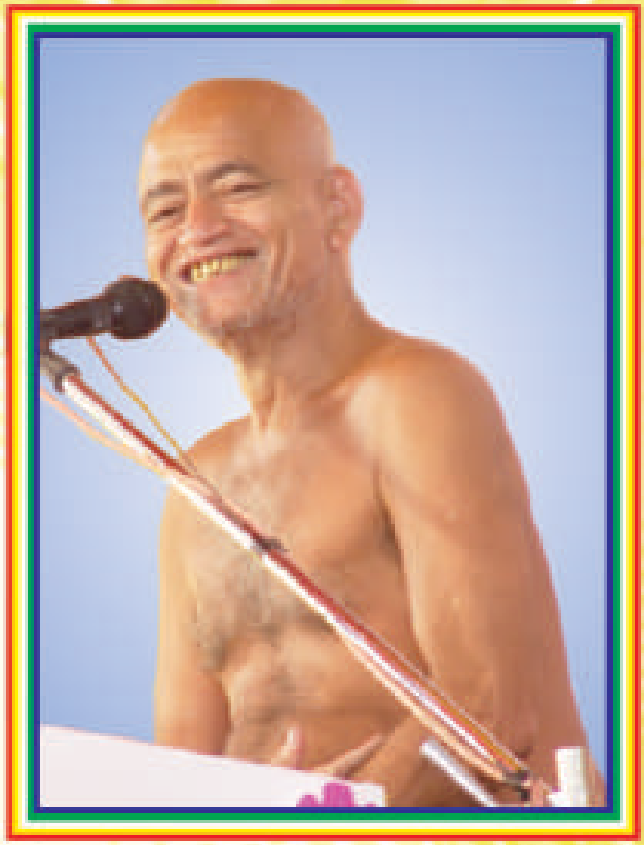

ॐ ह्रूँ जिनसंस्कृति-संरक्षकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

जिनसंस्कृति संरक्षक—वीतरागी प्रभु की संस्कृति के रक्षा करने वाले आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

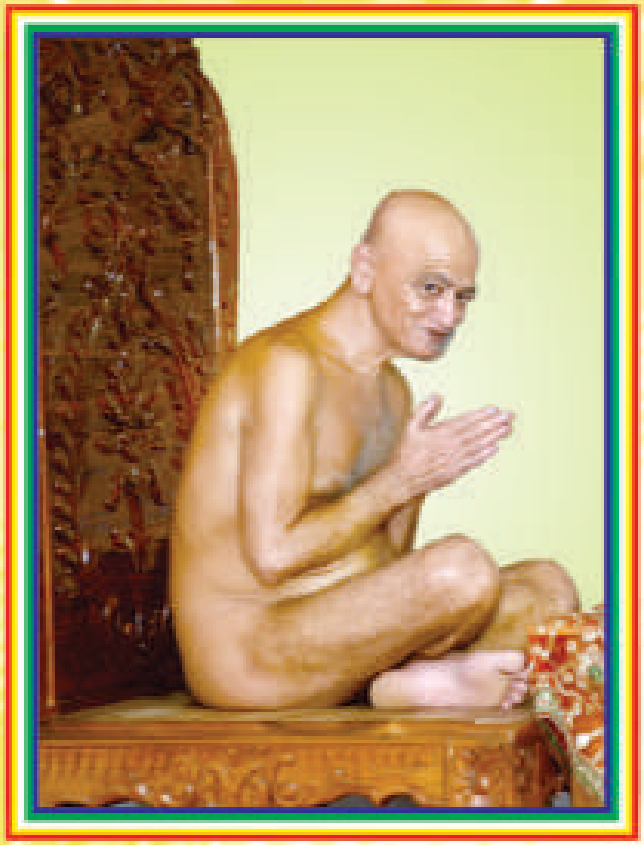

ॐ ह्रूँ जिनधर्मध्वजा-संवर्द्धकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

जिनधर्मध्वजा संवर्द्धक—जिनधर्मध्वजा को बढ़ाने वाले आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

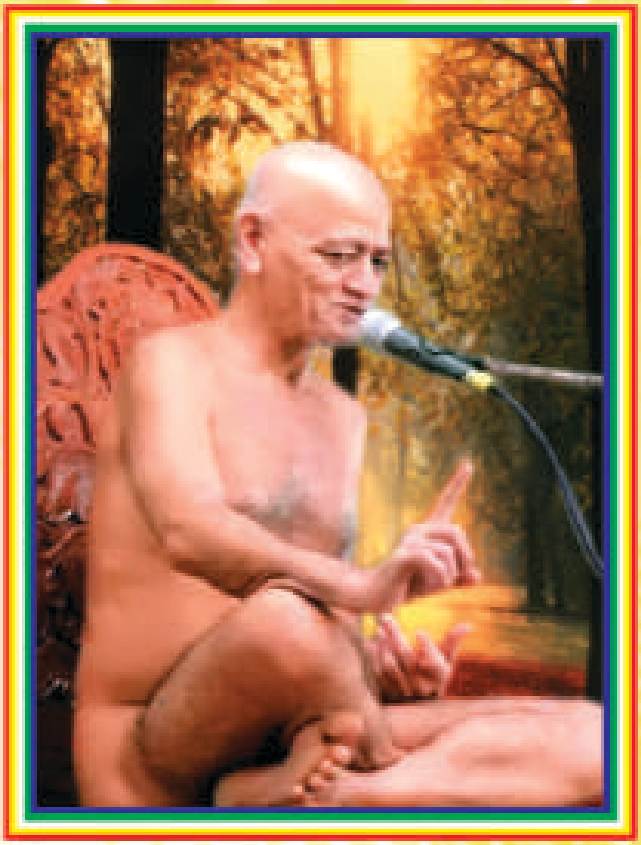

ॐ ह्रूँ भारतीयसंस्कृति-संरक्षकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

भारतीय संस्कृति संरक्षक—भारत देश की संस्कृति की रक्षा करने वाले आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

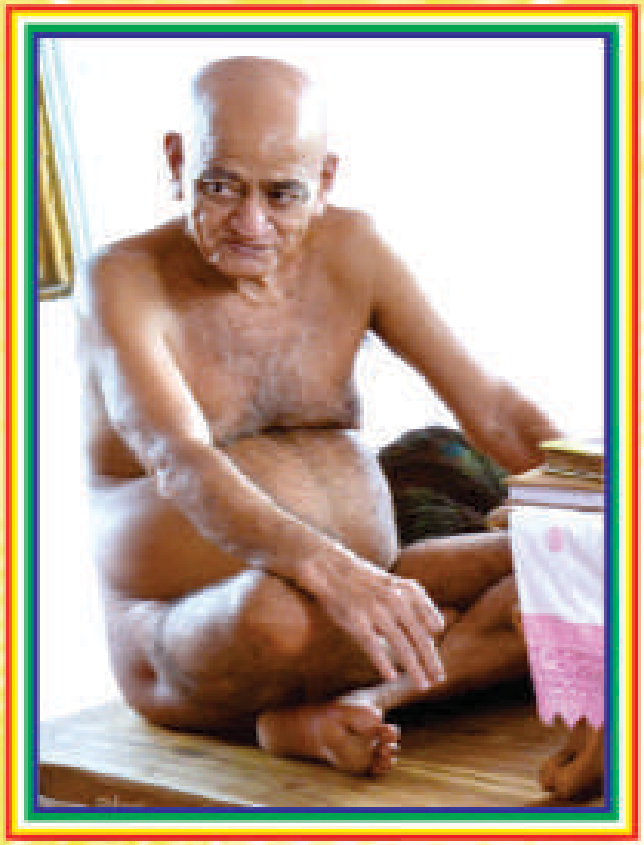

ॐ ह्रूँ अर्हत्-संस्कृति-संवाहकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

अर्हत् संस्कृति संवाहक—अर्हत् संस्कृति को
धारण करने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

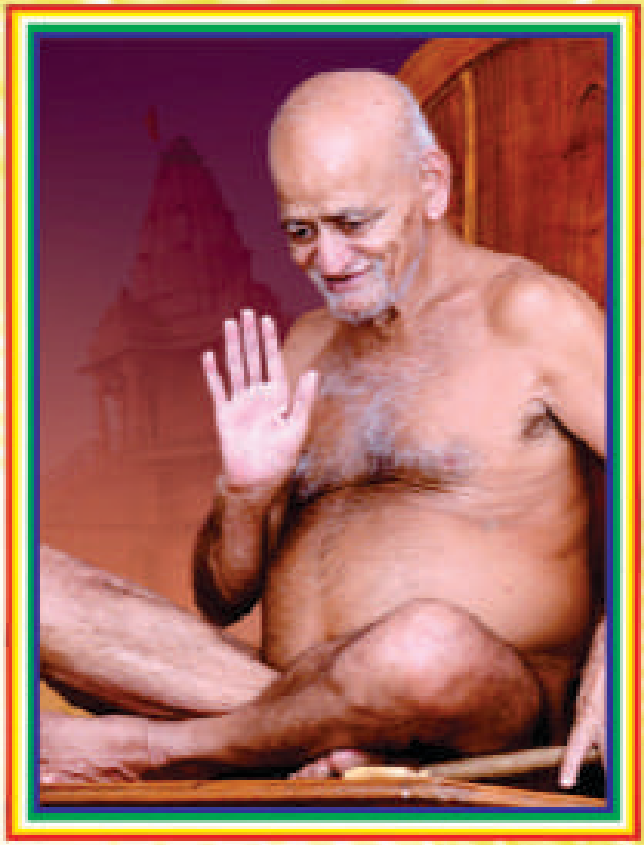

ॐ ह्रूँ जिनसंस्कृति-उद्धारकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

जिनसंस्कृति उद्धारक—जिन संस्कृति का
उद्धार करने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

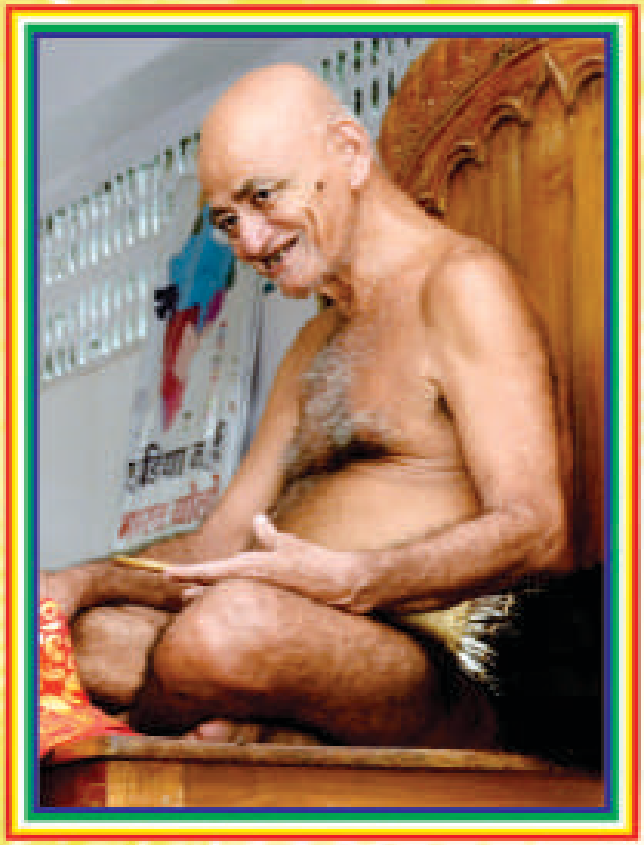

ॐ ह्रूँ अभीक्ष्णज्ञानोपयोगरताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

अभीक्ष्णज्ञानोपयोगरत—प्रतिपल सम्यग्ज्ञान में रत आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

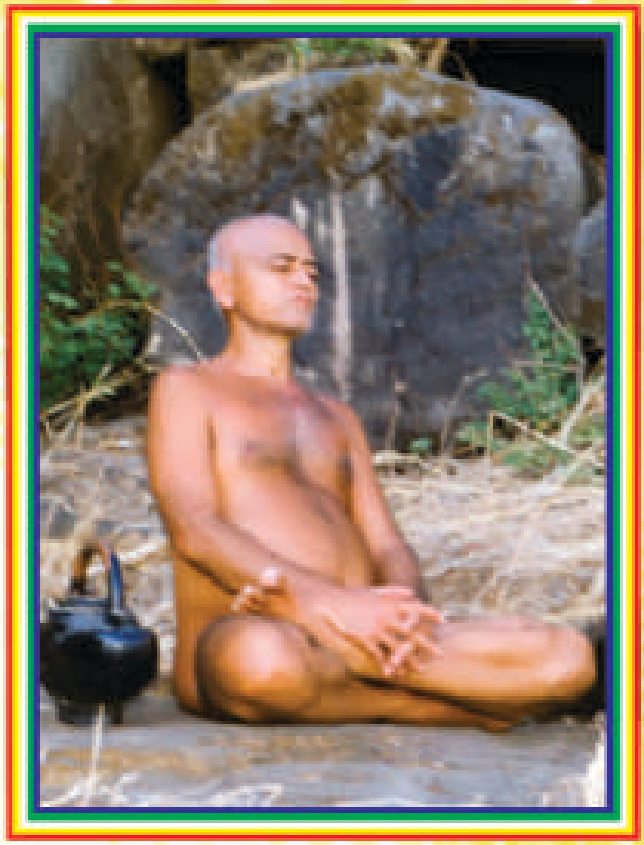

ॐ ह्रूँ द्वादशतपोनिरताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

द्वादशतपोनिरत—बारह तपों में लीन
आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी
महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ अष्टोत्तरशतगुणमण्डिताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

अष्टोत्तरशत गुणमण्डित—एक सौ आठ गुणों से विभूषित आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

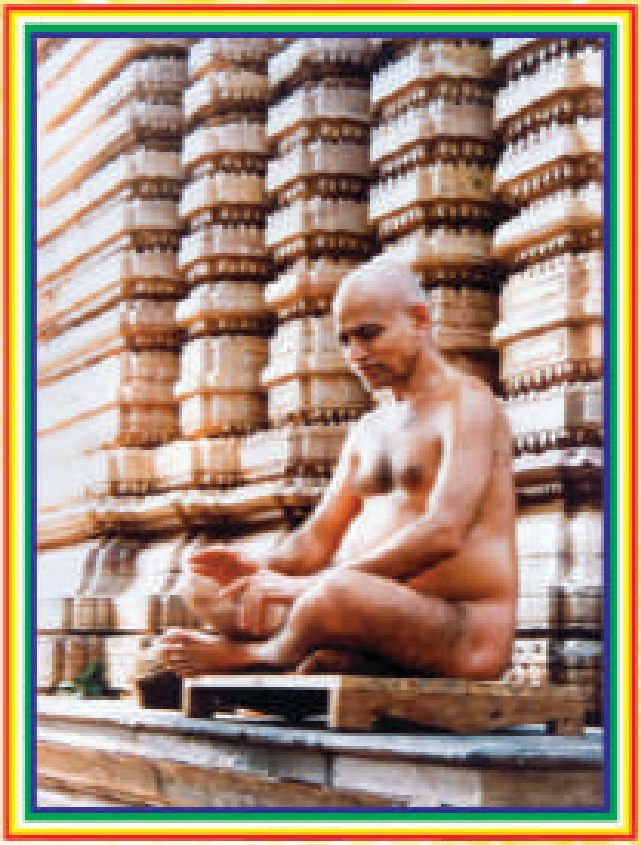

ॐ ह्रूँ उत्तमक्षमादिदशधर्म-शोभिताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

उत्तम क्षमादि दशधर्म—उत्तम क्षमादि
दस धर्मों से सुशोभित आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ षडावश्यक-निर्दोषपरिपालकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

षडावश्यक निर्दोष परिपालक—छह आवश्यकों
का निर्दोष पालन करने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

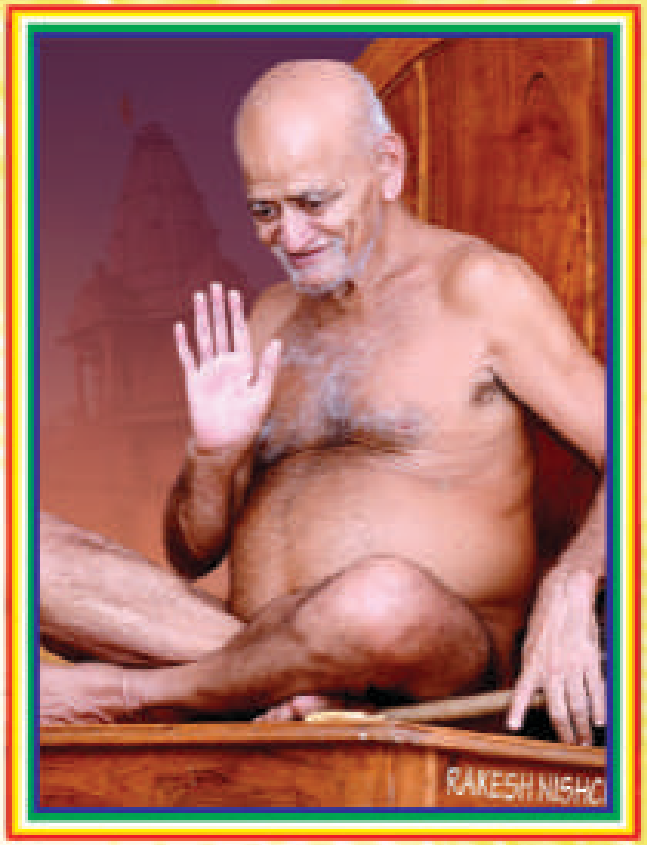

ॐ ह्रूँ स्व-पर-पञ्चाचार-
परिपालकाचार्य-गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

स्व-पर पंचाचार परिपालक—अपने और शिष्यों
के पंचाचार के पालक आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

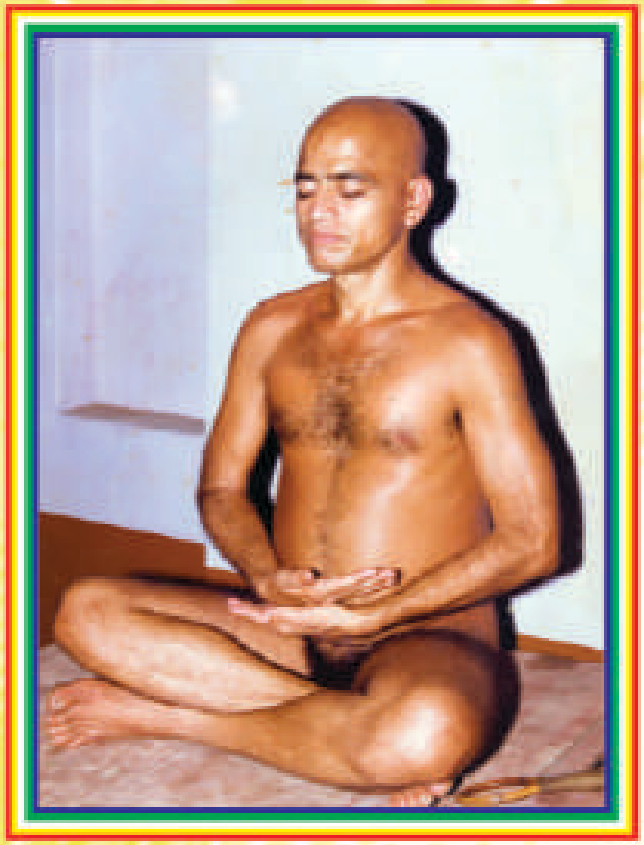

ॐ ह्रूँ जिनागमाज्ञा-परिपालकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

जिनागमाज्ञा-परिपालक—जिनेन्द्रदेव की/
आगम की आज्ञा पालने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

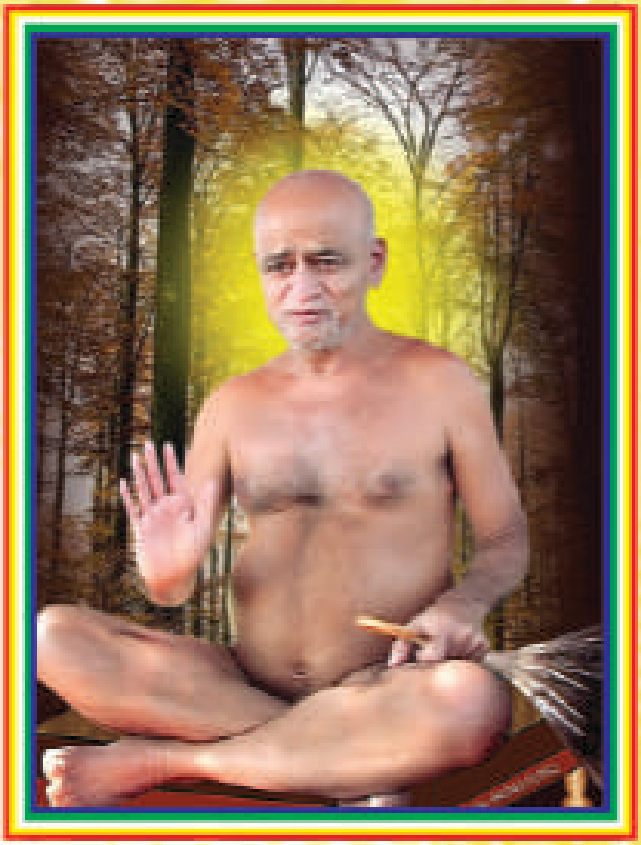

ॐ ह्रूँ उत्तमब्रह्मचर्य-परिपालकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

उत्तम ब्रह्मचर्य परिपालक—नवकोटि से ब्रह्मचर्य
के पालन करने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ द्वाविंशतिपरीषह-विजयाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

द्वाविंशति परीषह विजय—बाईस परीषहों को जीतने वाले आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

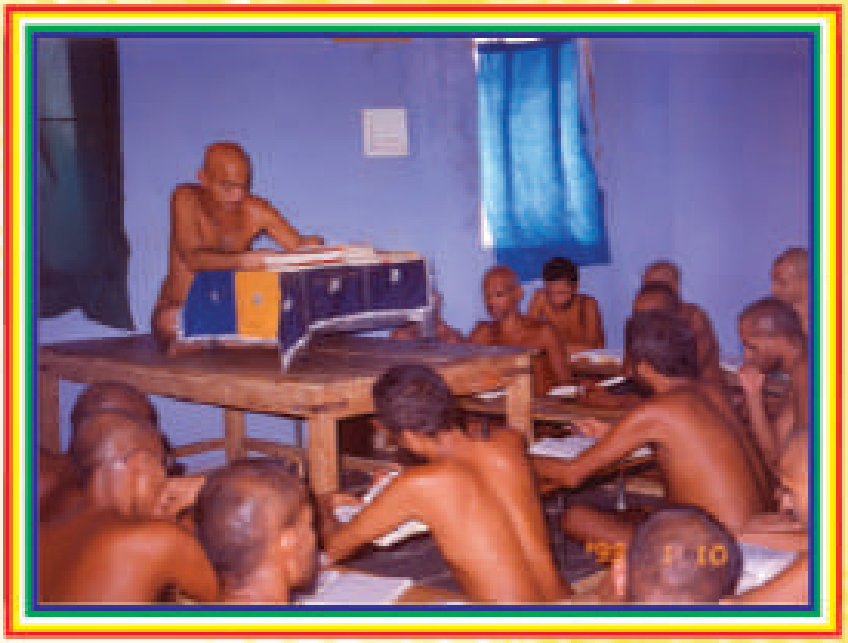

ॐ ह्रूँ शिष्यानुग्रहकुशलाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

शिष्यानुग्रह कुशल—शिष्यों पर
उपकार करने में कुशल आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ आत्मतत्त्वान्वेषकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

आत्म तत्त्वान्वेषक—आत्मतत्त्व के
खोज करने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

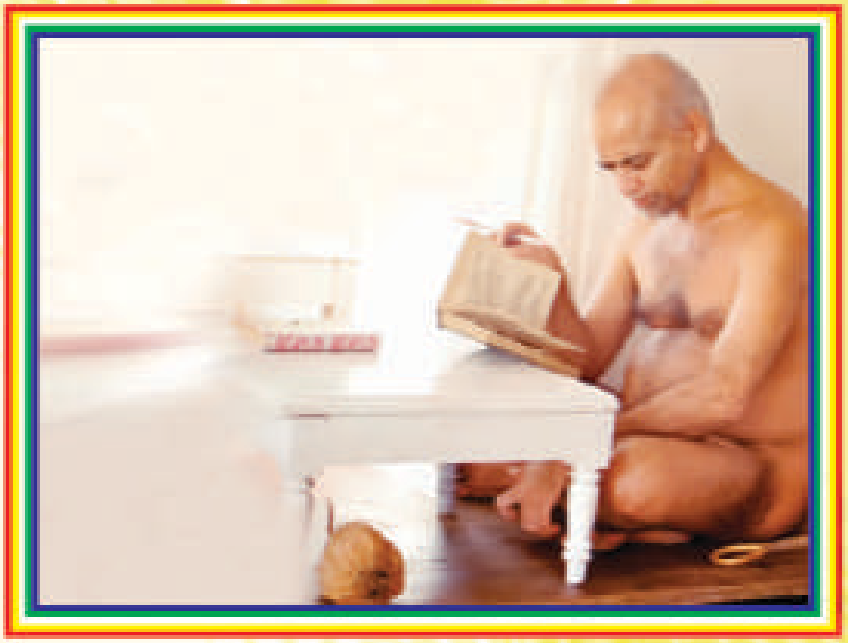

ॐ ह्रूँ सारस्वताचार्य-गुरुवर-
श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

सारस्वत–सरस्वती के पुत्र
आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी
महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ परानिन्दक-गुणभूषणाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

परानिन्दक गुणभूषण—दूसरे की निन्दा नहीं करने वाले गुण से शोभित आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ आचार्यकुन्दकुन्द-
परम्परापोषकाचार्य-गुरुवर-
श्रीविद्यासागर-महामुनीन्द्राय नमो नमः।

आचार्य कुन्दकुन्द परम्परा पोषक—आचार्य कुन्दकुन्द की परम्परा को पुष्ट करने वाले आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

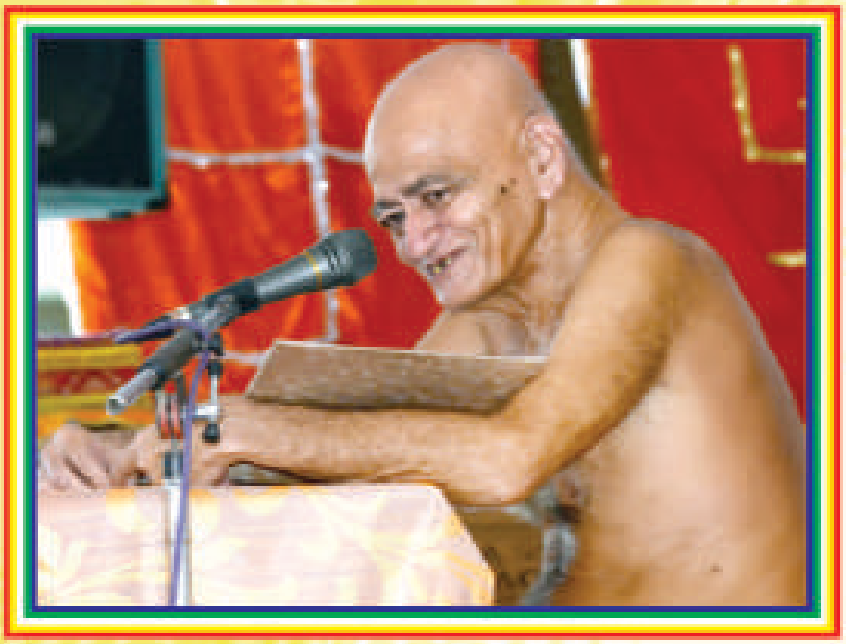

ॐ ह्रूँ प्रज्ञाप्रदीप-प्रकाशकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

प्रज्ञाप्रदीप प्रकाशक—ज्ञानरूपी दीपक से
प्रकाश करने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

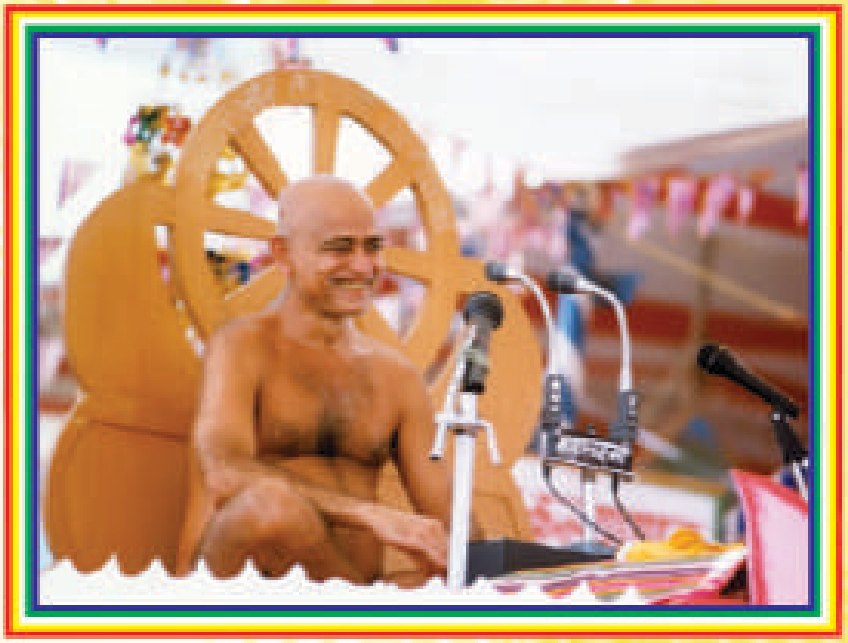

ॐ ह्रूँ हितमितप्रियभाषा-शोभिताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

हितमितप्रियभाषाविद्—हितकारी, सीमित,
प्रियभाषा से सुशोभित आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ आगमानुसार-चर्या-चर्चा-
मण्डिताचार्य-गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

आगमानुसार चर्या चर्चा मण्डित—आगम के अनुसार चर्या और चर्चा से सुशोभित आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

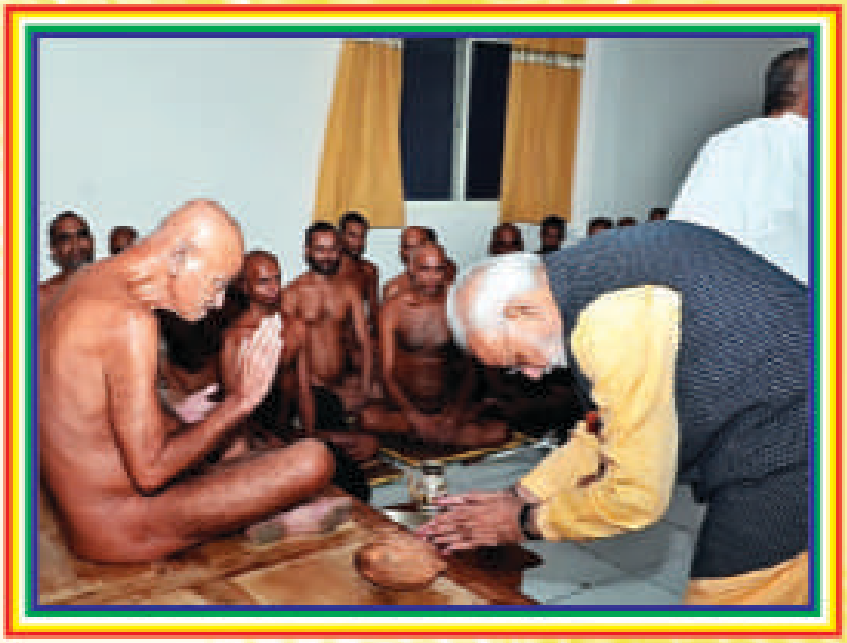

ॐ ह्रूँ परमनोहारी-गुणयुक्ताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

परमनोहारी गुणयुक्त—दूसरे के मन को
हरण करने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ मोक्षमार्गोपदेशकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

मोक्षमार्गोपदेशक—मोक्षमार्ग का
उपदेश देने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ जिनधर्माद्वितीय-प्रभावकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

जिनधर्माद्वितीयप्रभावक—जिनधर्म की अद्वितीय
प्रभावना करने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

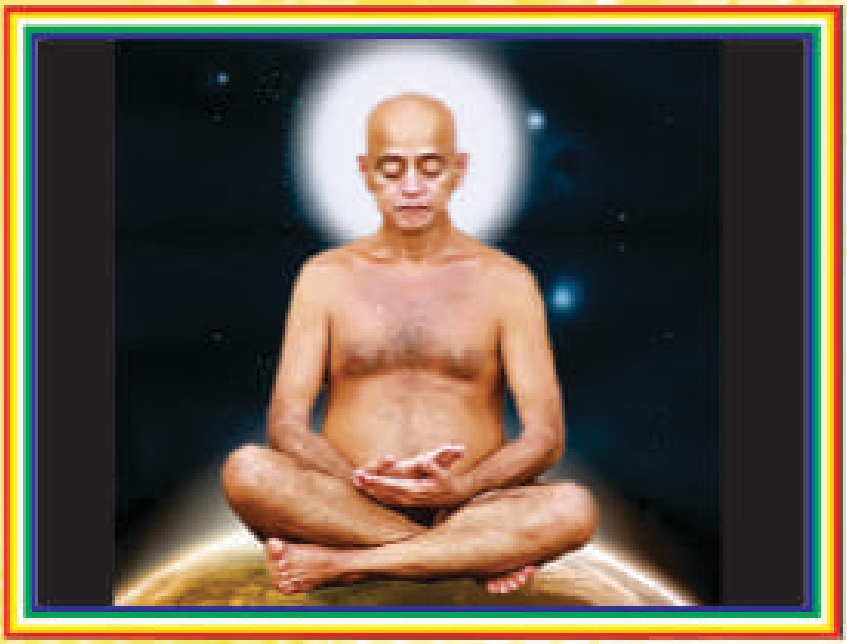

ॐ ह्रूँ जिनश्रुत-चिन्तकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

जिनश्रुतचिन्तक—जिनेन्द्रवाणी का
चिन्तन करने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ श्रमणपरम्परा-पथप्रदर्शकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

श्रमण परम्परा पथप्रदर्शक—मुनि परम्परा के
पथ को दिखाने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ अष्टाङ्ग-सम्यग्दर्शनाभूषणाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

अष्टांग सम्यग्दर्शन भूषण—सम्यग्दर्शन के
आठ अंगों से विभूषित आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ अष्टाङ्ग-सम्यग्ज्ञानशोभिताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

अष्टांग सम्यग्ज्ञान शोभित—सम्यग्ज्ञान के
आठ अंगों से विभूषित आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ त्रयोदश-सम्यक्चारित्रपालकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः ।

त्रयोदश सम्यक्चारित्र पालक–
तेरह प्रकार के सम्यक्चारित्र
का पालन करने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ विशिष्टश्रुतज्ञानावरण-
क्षयोपशमयुक्ताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

विशिष्टश्रुतज्ञानावरण क्षयोपशम–विशेष
श्रुतज्ञानावरण के क्षयोपशम से सहित
आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी
महाराज को नमस्कार हो।

50

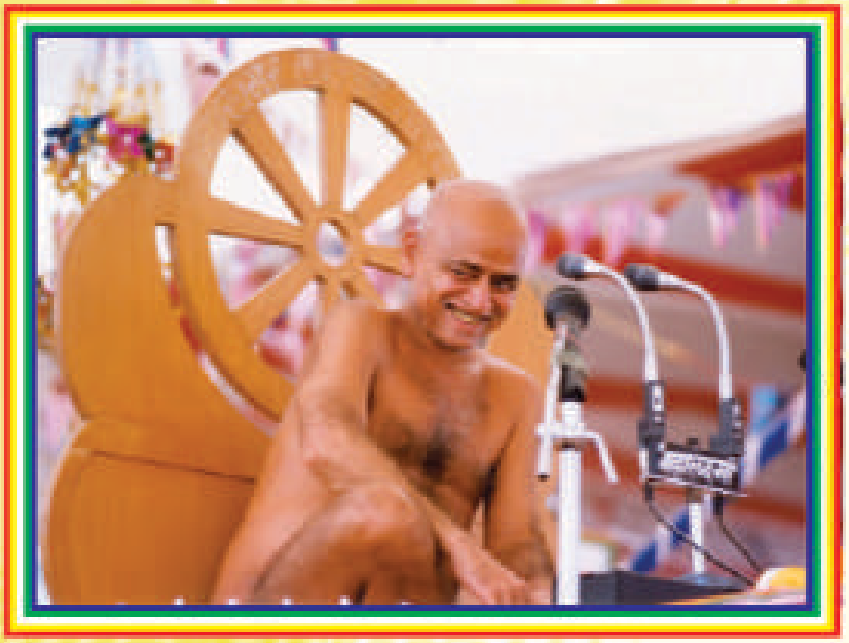

ॐ ह्रूँ जिनसूत्र-रहस्योद्घाटकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

जिनसूत्ररहस्योद्घाटक—जिन सूत्रों के
रहस्य के उद्घाटन करने वाले
आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी
महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ श्रुतजलधिपारगगुणयुक्ताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

श्रुतजलधिपारग—श्रुतरूपी
समुद्र के पारगामी आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ श्रमणसंस्कृति-उन्नायकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

श्रमण संस्कृति के उन्नायक—श्रमण संस्कृति
को ऊँचा उठाने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ लोकोत्तरसाधकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

लोकोत्तरसाधक—लोक में इनके समान कोई दूसरा साधक नहीं ऐसे आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ सर्वजीवहितोपदेशकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

सर्वजीवहितोपदेशक—सभी जीवों को
हित का उपदेश देने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ साक्षात्-मोक्षमार्गप्रकाशकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

साक्षात् मोक्षमार्ग प्रकाशक—जिनलिंग से साक्षात्
मोक्षमार्ग को दिखाने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

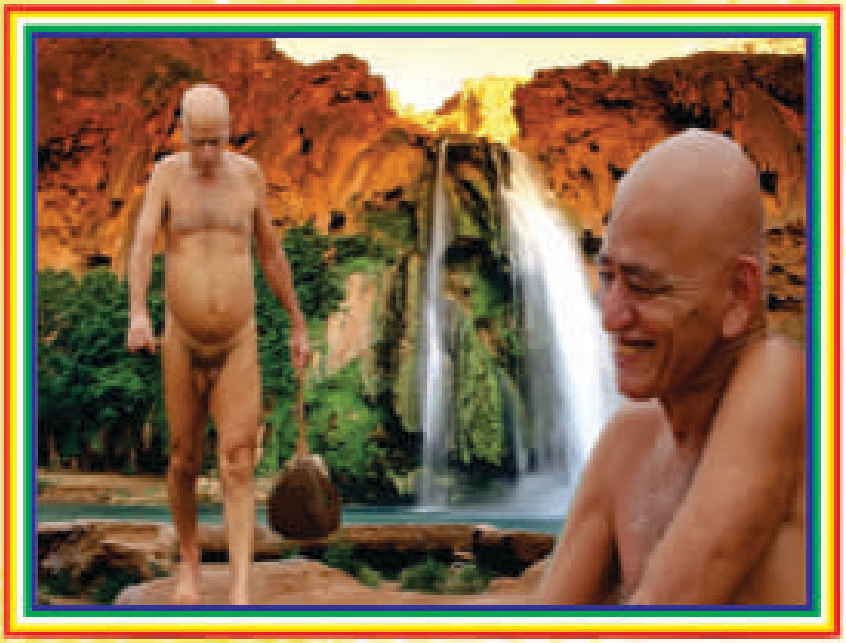

ॐ ह्रूँ चारित्रार्णवगम्भीराचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

चारित्रार्णव गंभीर—चारित्ररूपी समुद्र
के समान गंभीर आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ बहुजनहितकरचर्याधारकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

बहुजन हितकर चर्या—समस्त जीवों के हित करने वाली चर्या को धारण करने आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ सिद्धगुणस्तुति-निरताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

सिद्धगुणस्तुति निरत—सिद्धों के गुणों की
स्तुति में निरत आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

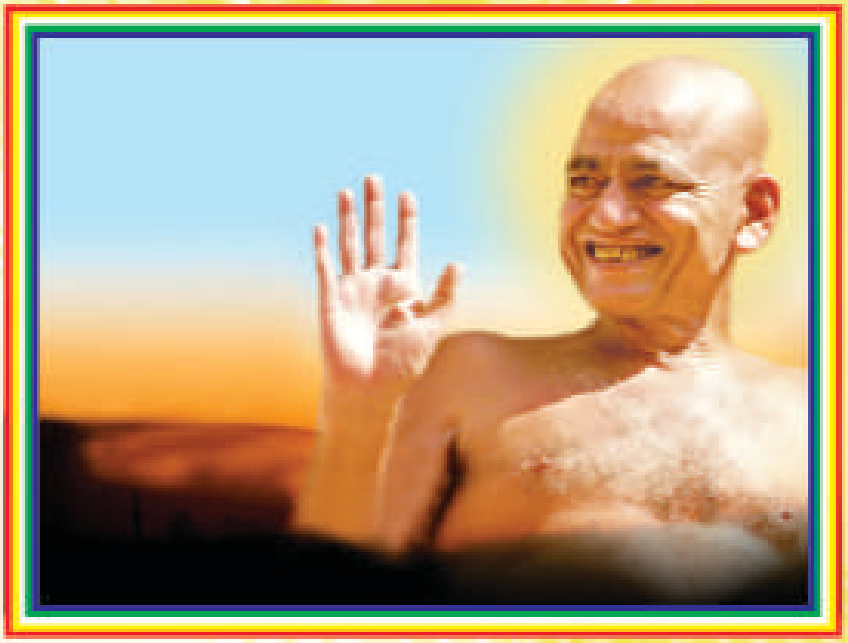

ॐ ह्रूँ मुनिमाहात्म्य-विशेषाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

मुक्तिमाहात्म्य विशेष—मुनियों में
महिमावान् हैं/महान् हैं ऐसे आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

60

ॐ ह्रूँ त्रिगुप्ति-गुप्ताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

त्रिगुप्तिगुप्त—तीन गुप्तियों में लीन
आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी
महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ विश्वकल्याणहितचिन्तकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

विश्वकल्याण हित चिन्तक—विश्व के
कल्याण के हित का चिन्तन करने वाले आचार्य
गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

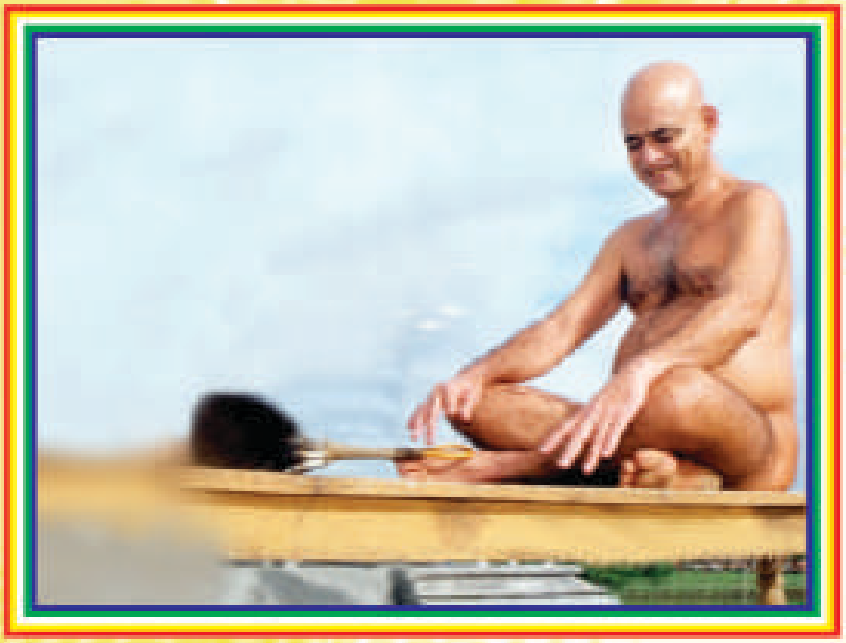

ॐ ह्रूँ विनिर्जितेन्द्रियकरणाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

विनिर्जितेन्द्रियकरण—इन्द्रियों को विशेष
जीतने वाले/विजय करने वाले
आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी
महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ निर्मलधर्मध्यानतल्लीनाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

निर्मलधर्म्यध्यानलीन—शुद्ध
धर्मध्यान में लवलीन आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ गारवचर्यारहिताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

गारव चर्या रहित—३ गारव (रस, ऋद्धि, सात)
से रहित चर्याधारक आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ मोक्षद्वारकपाटपाटन-भटाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

मोक्षद्वारकपाटपाटनभट–मोक्षद्वार के कपाटों को खोलने के लिए योद्धा के समान आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

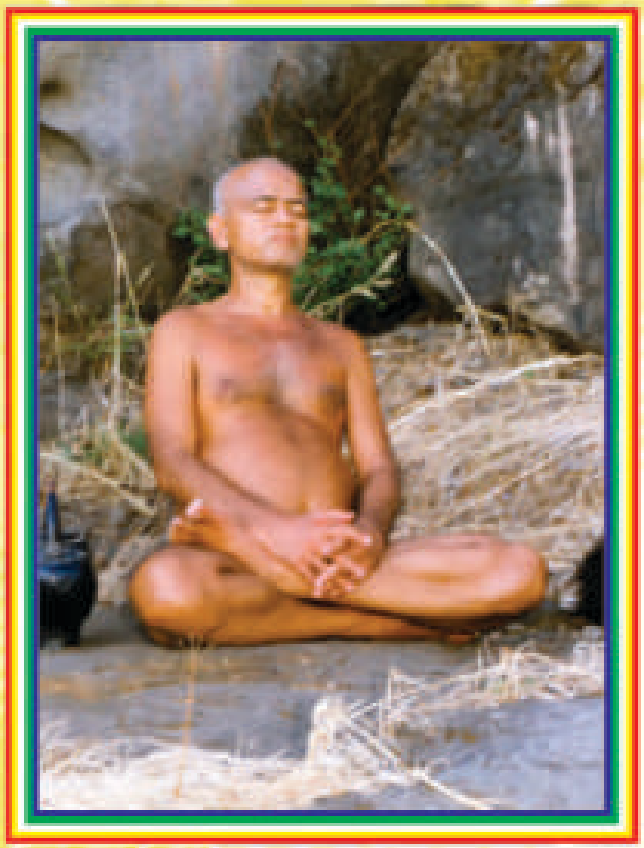

ॐ ह्रूँ स्व-पर-समय-
विचारकाचार्य-गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

स्वपरसमय विचारक—स्व-पर के सिद्धान्तों
का विचार करने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ अखण्डितस्वाध्यायरताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

अखण्डित स्वाध्याय रत—निरन्तर स्वाध्याय में लीन आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ समग्रप्रशस्तभावयुक्ताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

समग्रप्रशस्तभावयुक्त—सम्पूर्ण प्रशस्त भाव से सहित आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ निर्लोभगुणधारकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

निर्लोभगुणधारक—लोभरहित
गुण को धारण करने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

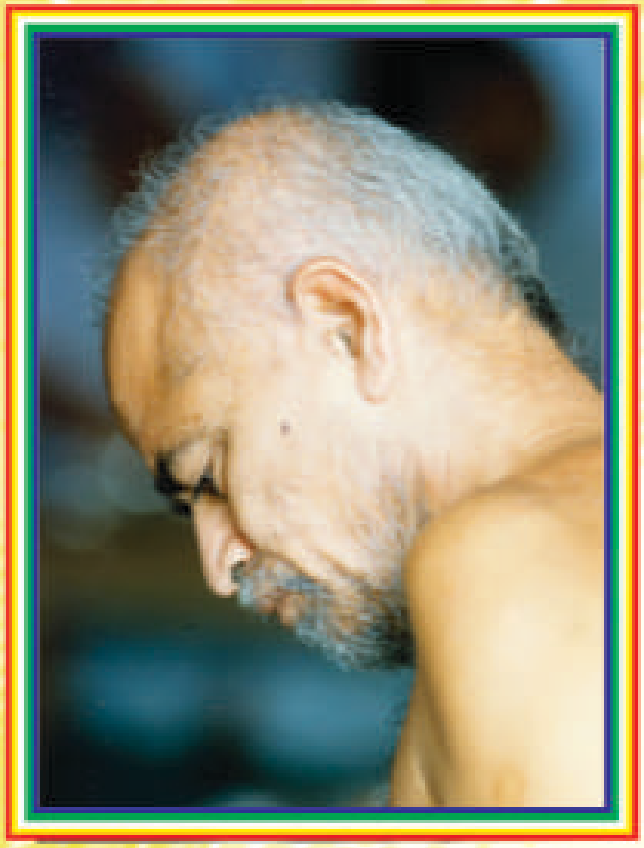

ॐ ह्रूँ समभावगुणसम्पन्नाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

समभाव गुण सम्पन्न—
समता गुण से परिपूर्ण आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

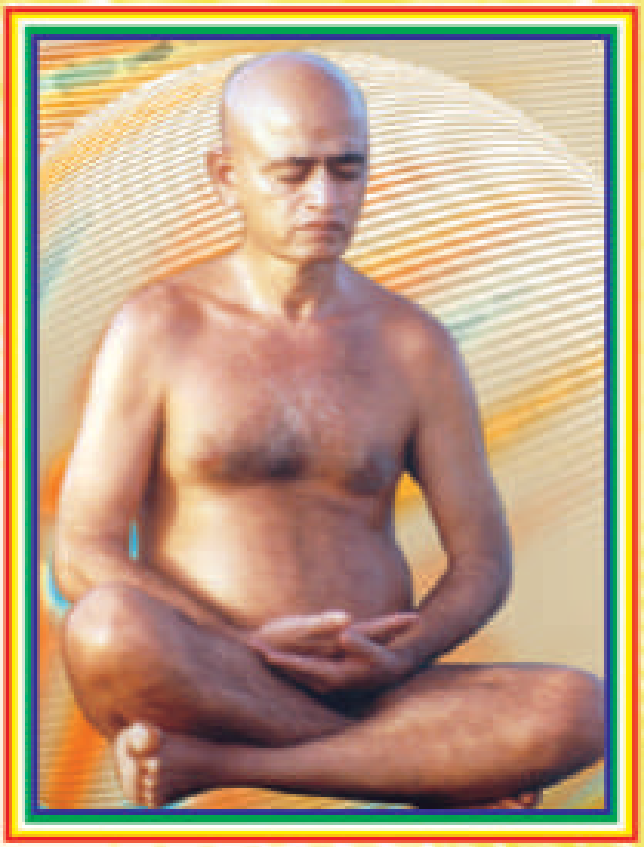

ॐ ह्रूँ ज्ञानध्यानतपोरताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

ज्ञानध्यानतपोरत—ज्ञानतप,
ध्यानतप में लीन आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

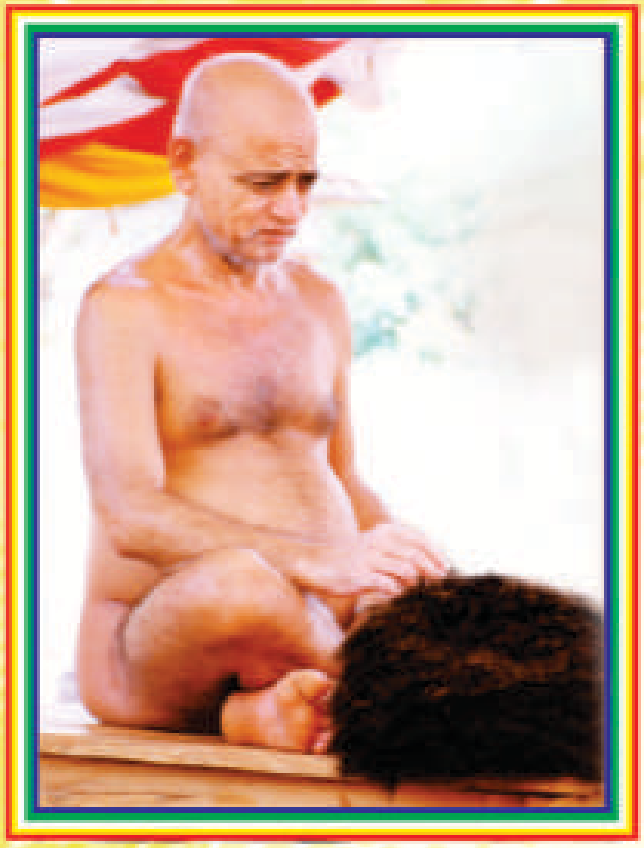

ॐ ह्रूँ अनवरतात्मतत्त्व-
चिन्तकाचार्य-गुरुवर-
श्रीविद्यासागर-महामुनीन्द्राय नमो नमः।

अनवरातात्म तत्त्व चिन्तक—निरन्तर आत्मतत्त्व
का चिन्तन करने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ मुनिगणसंतुष्टिकराचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

मुनिगण संतुष्टिकर—मुनियों के समूह
को संतुष्ट करने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ अर्हत्-पथानुयायि
आचार्य-गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

अर्हत् पथानुयायी—अर्हत् पथ
पर चलने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

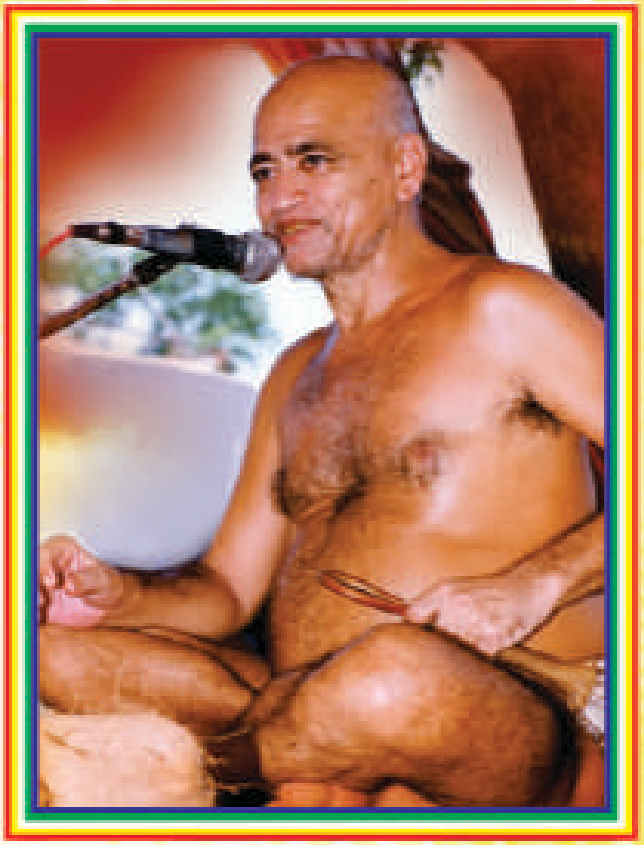

ॐ ह्रूँ प्रस्पष्टाक्षराचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

स्पष्ट और इष्ट-मिष्ट भाषा
बोलने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

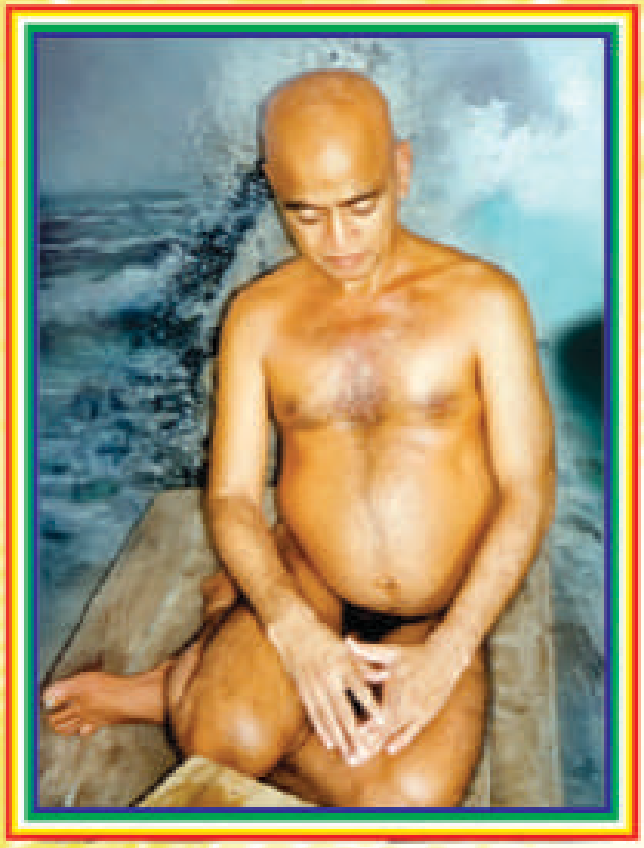

ॐ ह्रूँ गगनवत्-निर्लेपाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

गगनवत् निर्लेप—आकाश के
समान लेप रहित आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

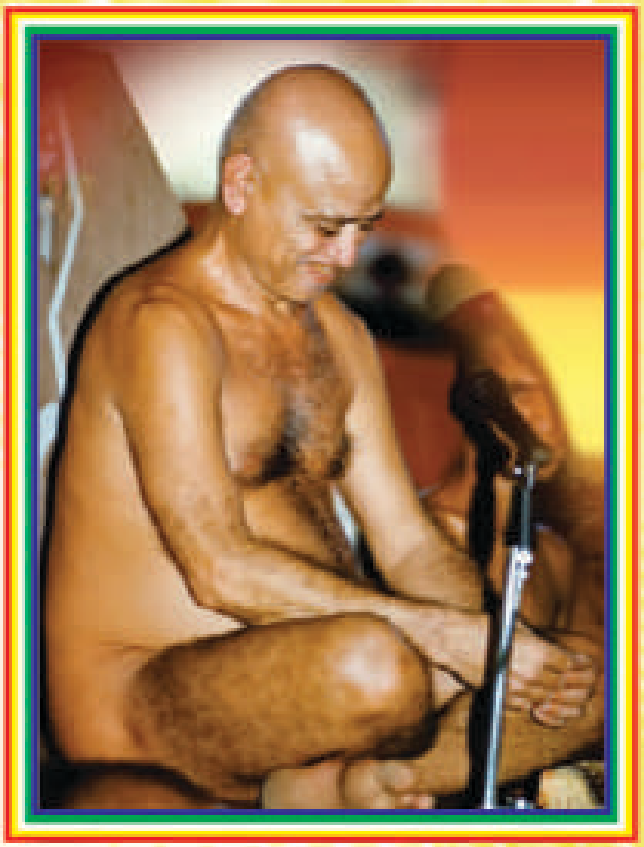

ॐ ह्रूँ रत्नदीपवत्-प्रकाशिताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

रत्नदीपवत् प्रकाशित—रत्नदीप के समान चारों तरफ से प्रकाश करने वाले आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

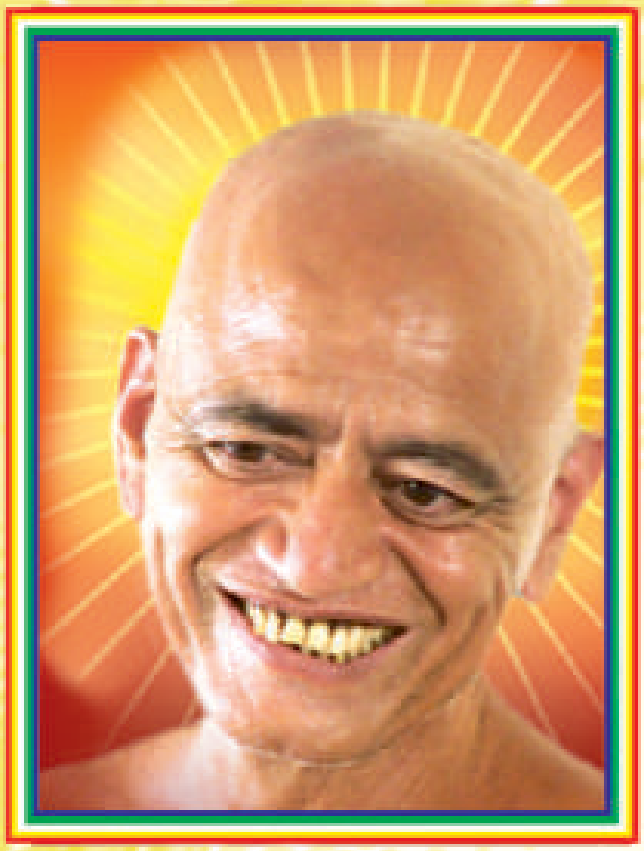

ॐ ह्रूँ नौकावत्-तरणतारणाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

नौकावत् तरणतारण—नाव के समान
तरण-तारण आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

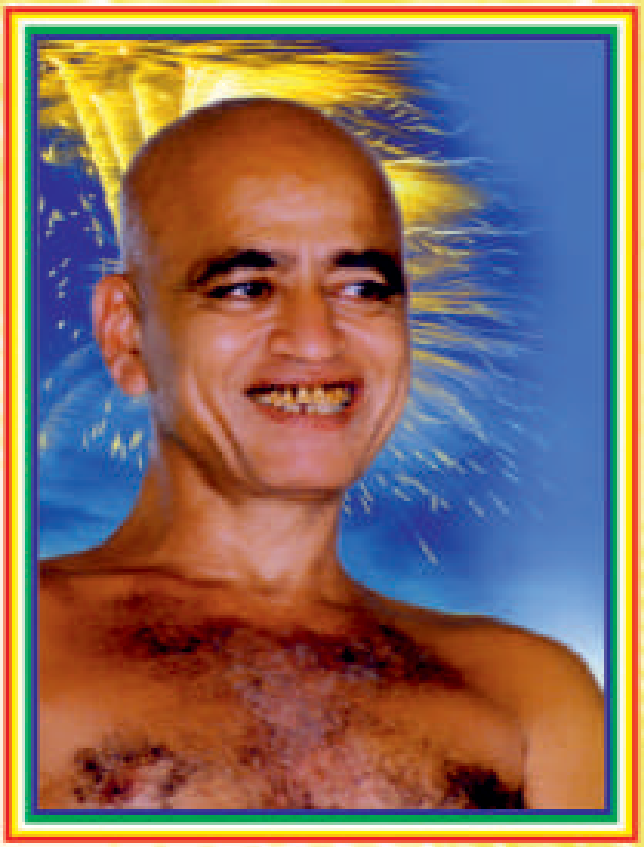

ॐ ह्रूँ सागरवत्-अक्षोभिताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

सागरवत् अक्षोभित्—समुद्र के
समान क्षोभ रहित आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

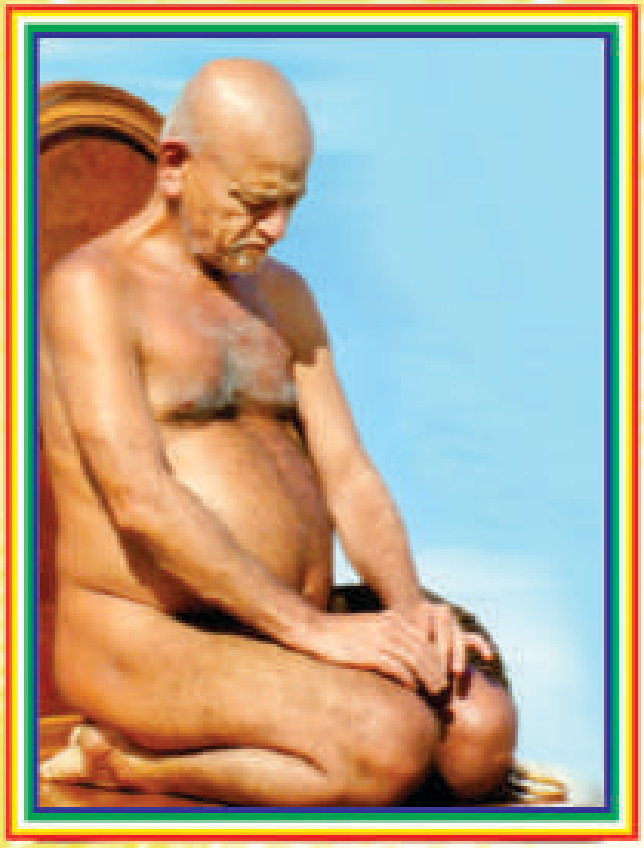

ॐ ह्रूँ मेरुवत्-निष्कम्पाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

मेरुवत् निष्कम्प—सुमेरु के
समान अचल आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

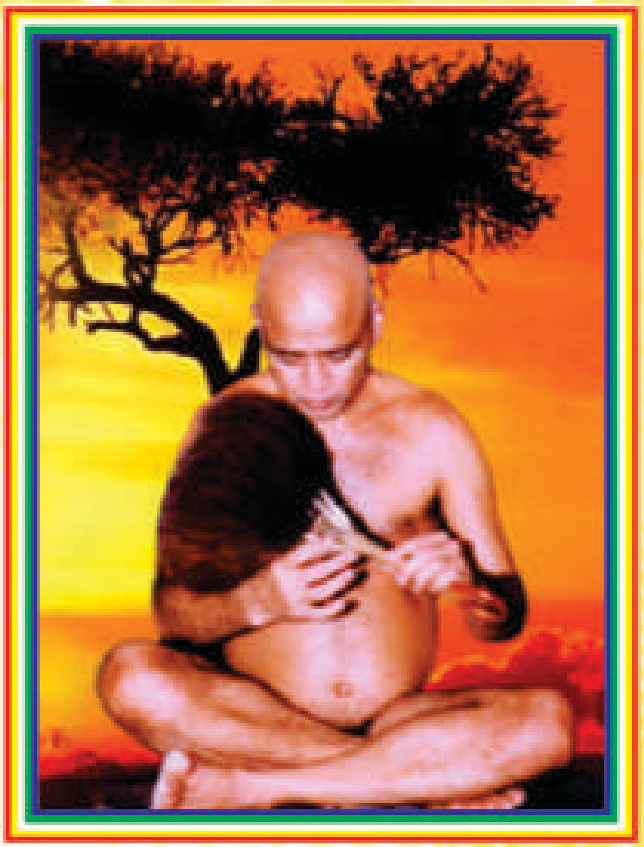

ॐ ह्रूँ पृथ्वीवत्-क्षमाशीलाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

पृथ्वीवत् क्षमाशील—भूमि के समान क्षमा
जिनका स्वभाव ऐसे आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

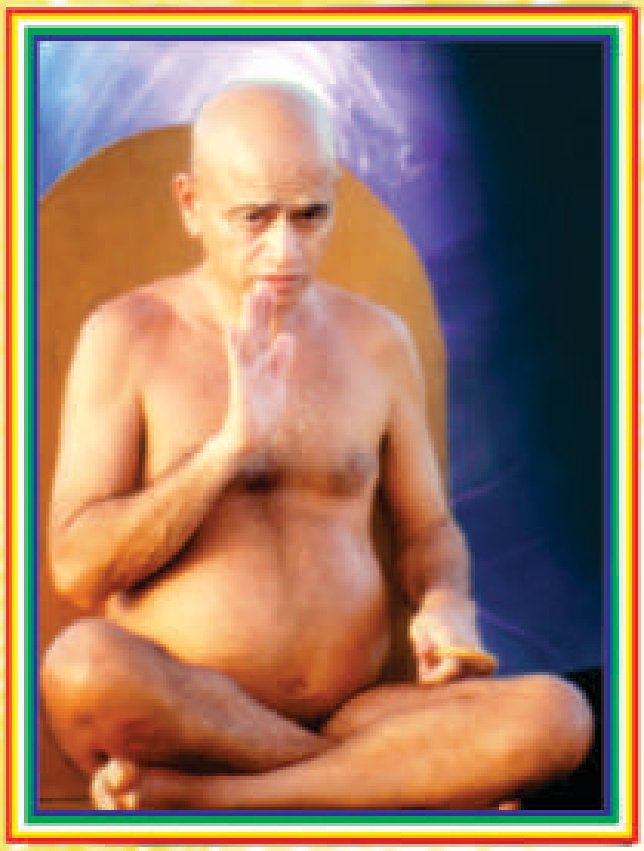

ॐ ह्रूँ चन्द्रवत्-शीतलाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

चन्द्रवत् शीतल—चन्द्रमा के समान शीतल
जिनका स्वभाव ऐसे आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

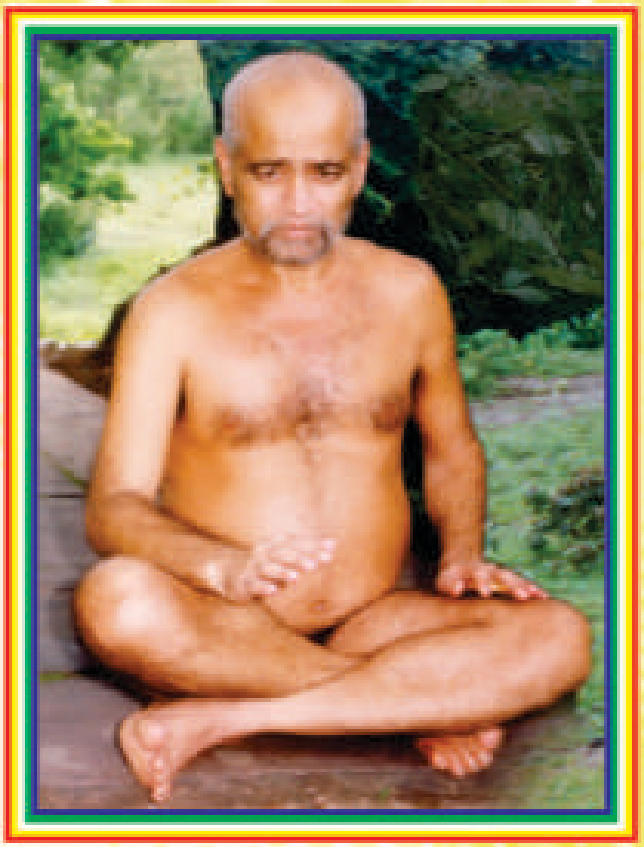

ॐ ह्रूँ वृषभवत्-भद्राचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

वृषभवत् भद्र—वृषभ के
समान भद्रता वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ गजवत्-स्वाभिमानाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

गजवत् स्वाभिमान—हाथी के
समान स्वाभिमानी आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

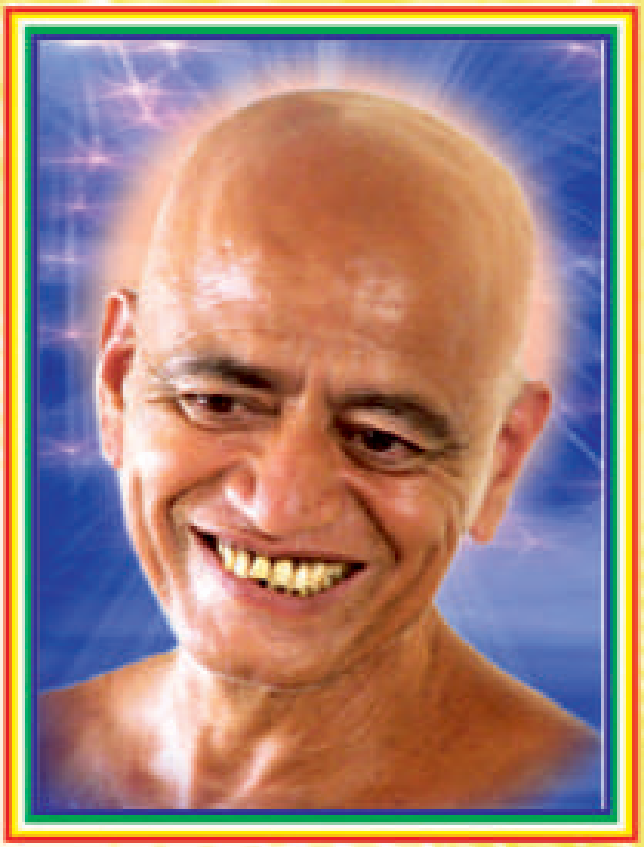

ॐ ह्रूँ सूर्यवत्-तेजस्वी आचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

सूर्यवत् तेजस्वी—सूर्य के समान तेज
को धारण करने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

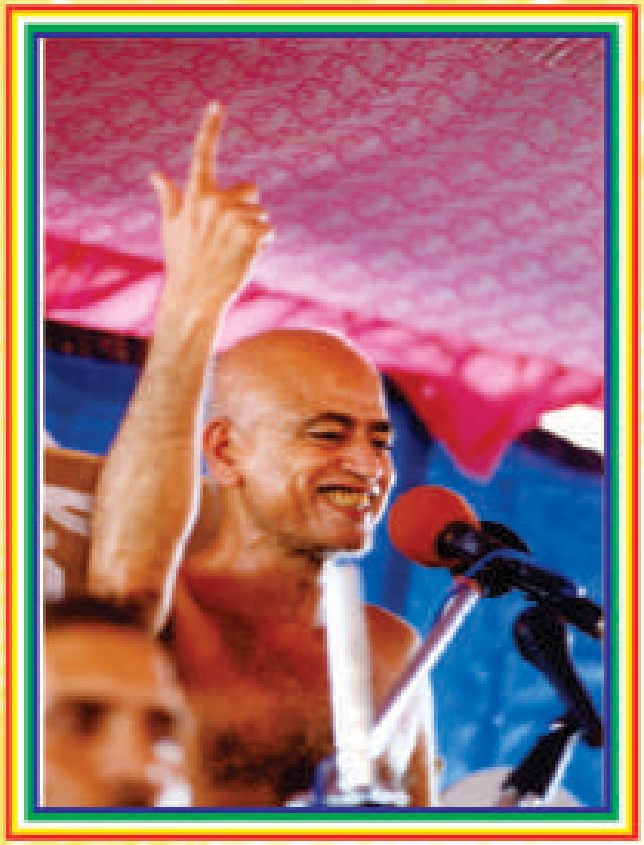

ॐ ह्रूँ सिंहसम-पराक्रमाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

सिंह सम् पराक्रम–सिंह के समान
पराक्रमी/साहसी आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

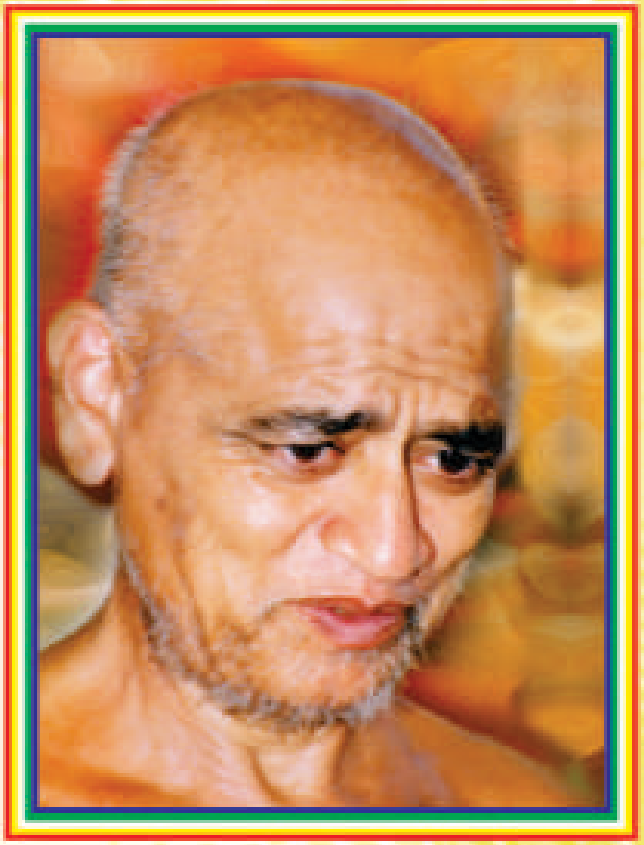

ॐ ह्रूँ सूत्रार्थभावनाभाविताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

सूत्रार्थ भावना भावित—सूत्रों के अर्थ की हमेशा भावना भाने वाले आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

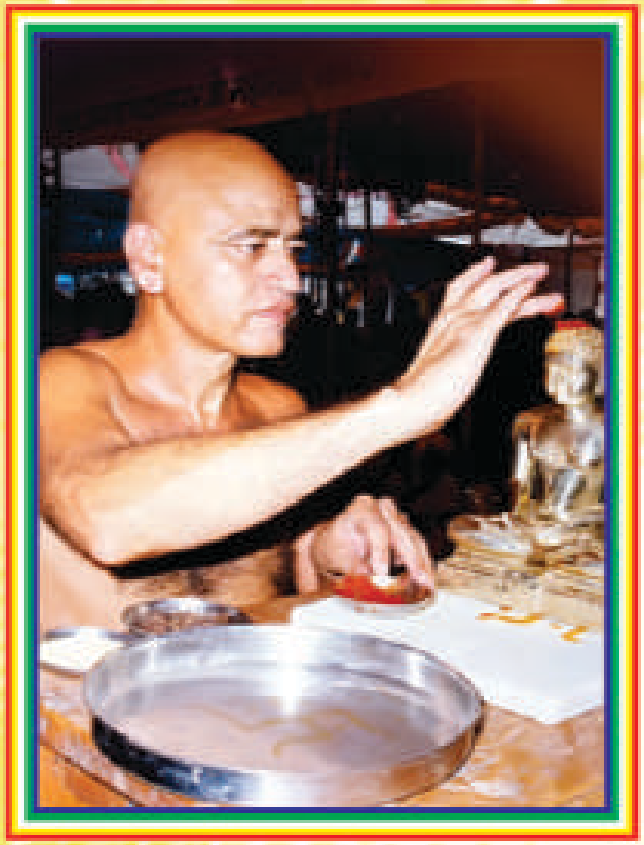

ॐ ह्रूँ प्रतिपलात्मशुद्धिरताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

प्रतिपलात्म शुद्धिरत—हरपल
आत्मशुद्धि में लीन रहने वाले आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

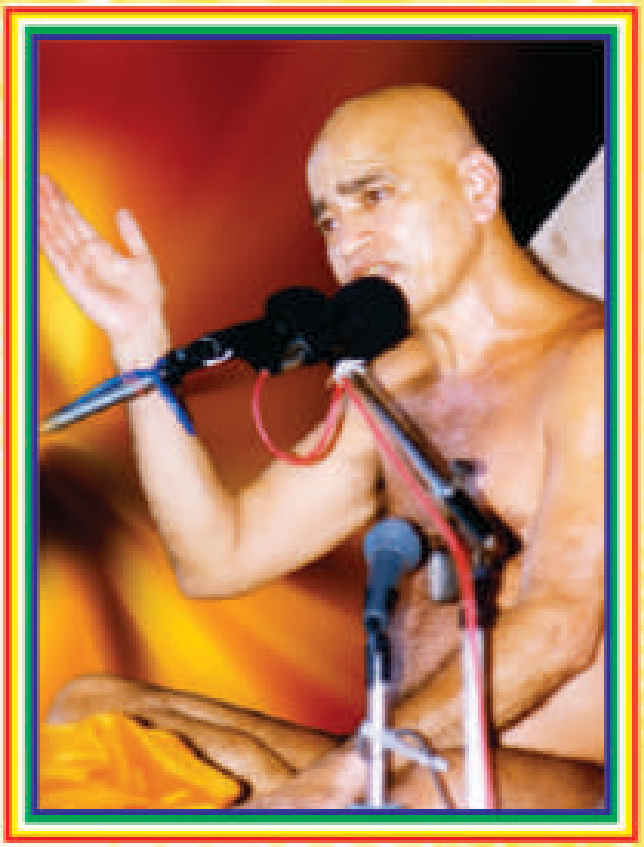

ॐ ह्रूँ साक्षात्-सम्यग्ज्ञानार्णवाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

साक्षात् सम्यग्ज्ञानार्णव—साक्षात्
सम्यग्ज्ञान के समुद्र आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

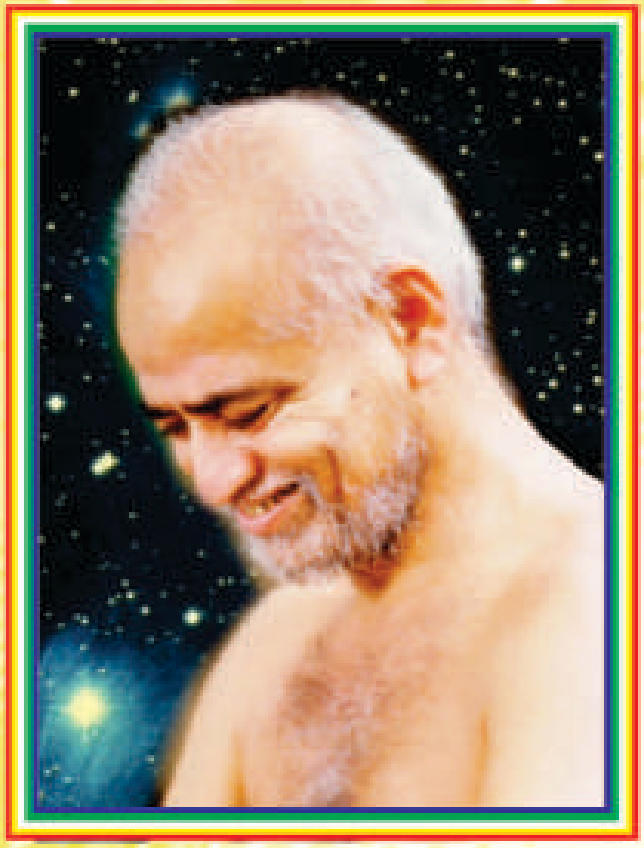

ॐ ह्रूँ एकत्वविभक्तात्मतत्त्वरताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

एकत्वविभक्तात्म तत्त्वरत–
एकत्वभावना में रत आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

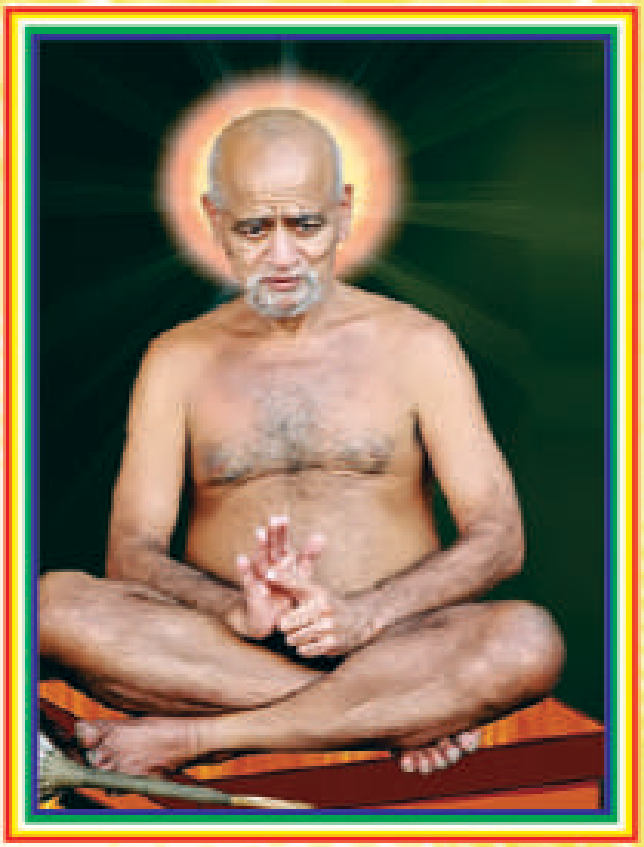

ॐ ह्रूँ निजानन्दलवलीनाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

निजानन्द लवलीन—अपने
आनन्द में लीन आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

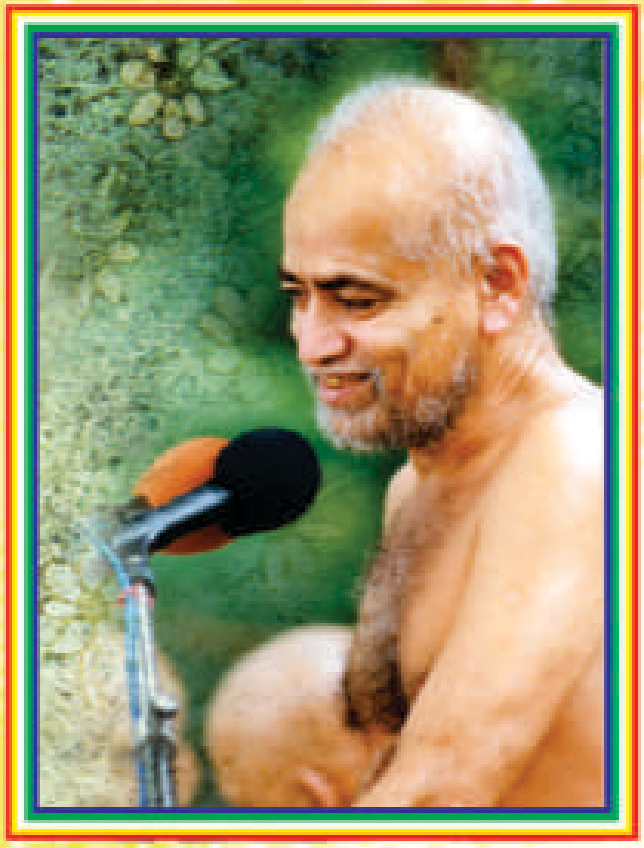

ॐ ह्रूँ निजात्मगुणानुरागाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

निजात्मगुणानुरागी—अपनी आत्मा के गुणों से अनुराग करने वाले आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ यशस्वीगुणयुक्ताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

यशस्वी गुण युक्त—यश
गुण से सहित आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

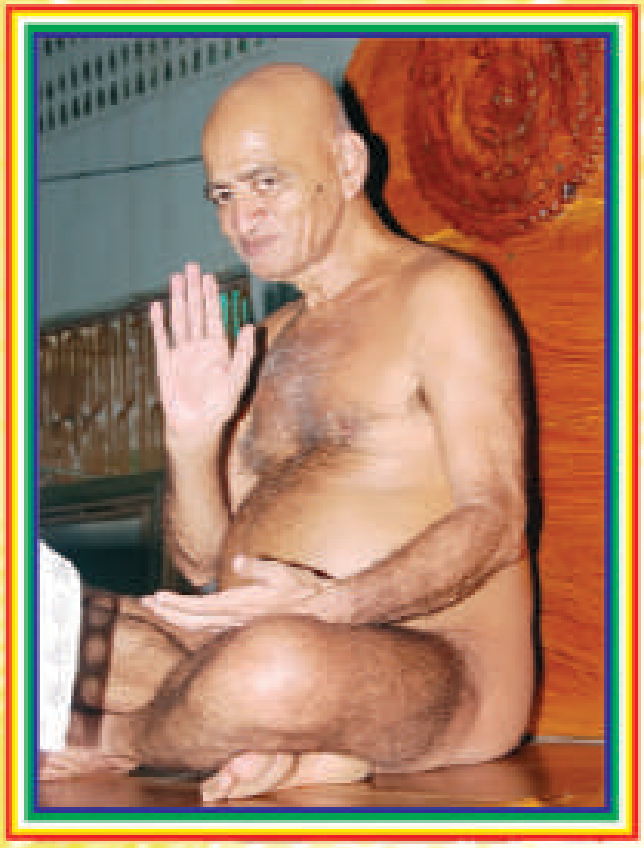

ॐ ह्रूँ ओजस्वीवाक्-चातुर्याचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

ओजस्वी वाक् चातुर्य—ओजस्वी
वचनों में कुशल आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ अयाचकवृत्तिधारकाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

अयाचक वृत्तिधारक—बिना याचना के चर्या को धारण करने वाले आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

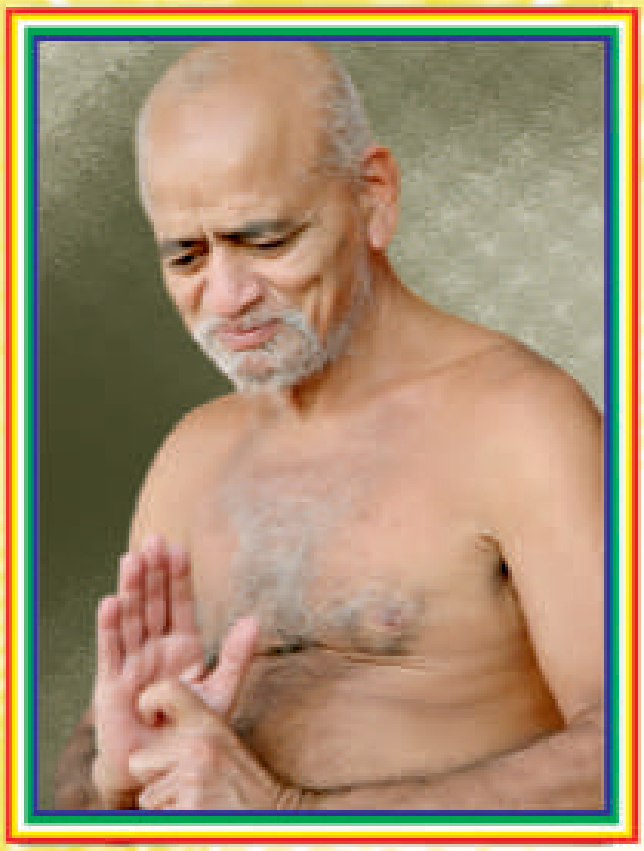

ॐ ह्रूँ आकिंचन्यमहिमामण्डिताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

आकिञ्चन्य महिमा मण्डित—आकिञ्चन्य
महिमा से सुशोभित आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ विद्याशीलाचार-सम्पन्नाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

विद्याशीलाचार सम्पन्न—ज्ञान
और शील से सम्पन्न आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ अलौकिकबुद्धि-सम्पन्नाचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

अलौकिक बुद्धि सम्पन्न—अलौकिक
बुद्धि से परिपूर्ण आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ व्रतसमितिगुप्ति-सहिताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

व्रतसमितिगुप्ति सहित—५ महाव्रत,
५ समिति, ३ गुप्ति से सहित आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

100

ॐ ह्रूँ नीर-क्षीरविवेकगुण-सहिताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

नीर-क्षीर विवेकगुण सहित—पानी दूध को अलग-अलग करने वाले गुण सहित आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ विशुद्धमनवचनकाययोग-
सहिताचार्य-गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

विशुद्ध मनो वचन काय सहित–
तीनों योग में शुद्ध आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

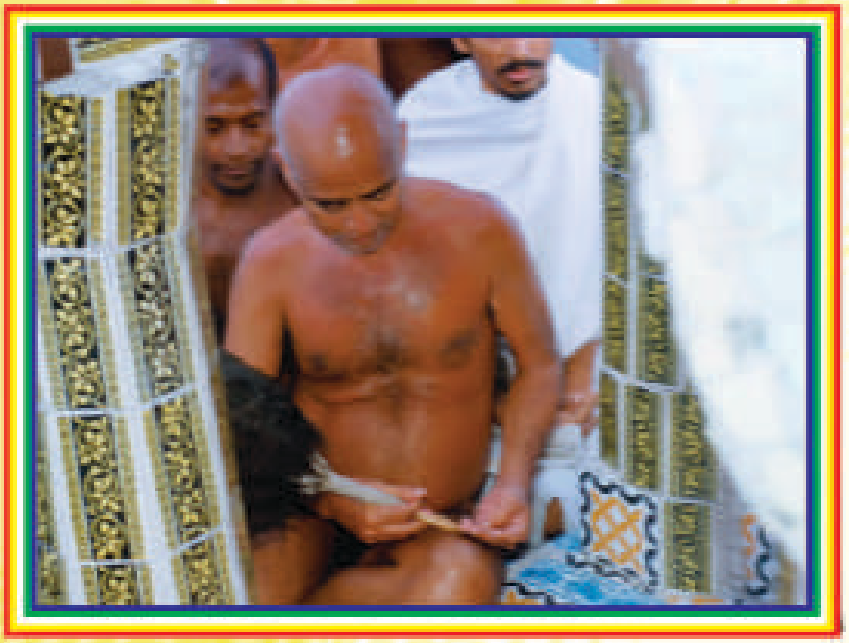

ॐ ह्रूँ दर्शनज्ञानचारित्रतपाराधना-
सहिताचार्य-गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

दर्शनज्ञानचारित्रतपसाराधना—चारों
आराधनाओं में लीन आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ अनाकांक्षागुण-सहिताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

अनाकांक्षा गुण सहित-
आकांक्षा से रहित आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ प्रागेवदृष्टोत्तरगुण-सहिताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

प्रागेवदृष्टोत्तर गुण युक्त—पहले ही जिनके पास उत्तर देख लिये ऐसे आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ षट्त्रिंशत्-मूलगुण-
सहिताचार्य-गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

षट्त्रिंशत् मूलगुण सहित—छत्तीस
मूलगुणों से सुशोभित आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

106

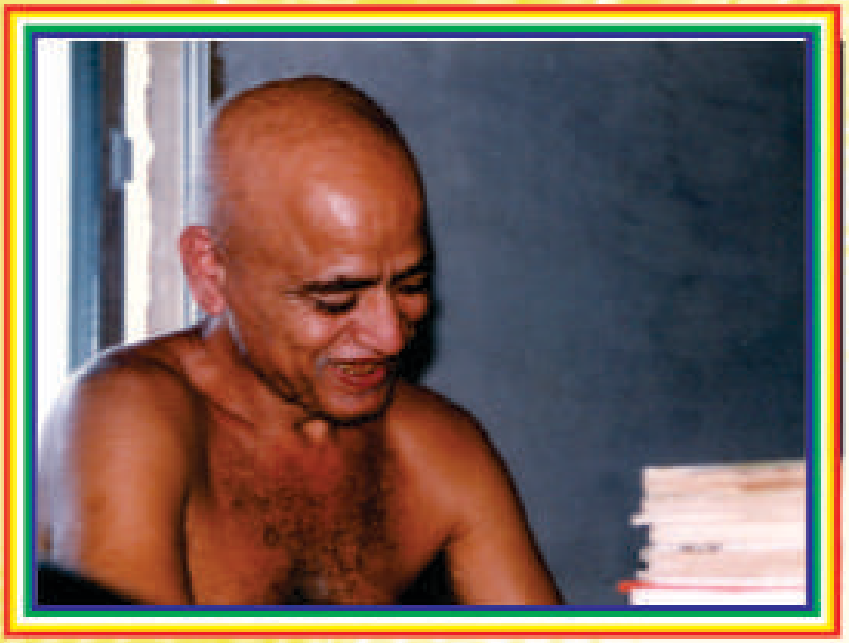

ॐ ह्रूँ अभीक्ष्णसंवेगगुण-
सहिताचार्य-गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

अभीक्ष्ण संवेग गुण सहित—प्रतिपल
वैराग्य से ओतप्रोत आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

ॐ ह्रूँ दूरदर्शित्वगुण-सहिताचार्य-
गुरुवर-श्रीविद्यासागर-
महामुनीन्द्राय नमो नमः।

दूरदर्शित्व गुण सहित—दूरदृष्टि
गुण से सहित आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

108

ॐ ह्रूँ संतशिरोमणि
आचार्य-गुरुवर-
श्रीविद्यासागर-महामुनीन्द्राय नमो नमः।

सन्तों के शिरमौर
आचार्य गुरुवर
श्री विद्यासागरजी महाराज को नमस्कार हो।

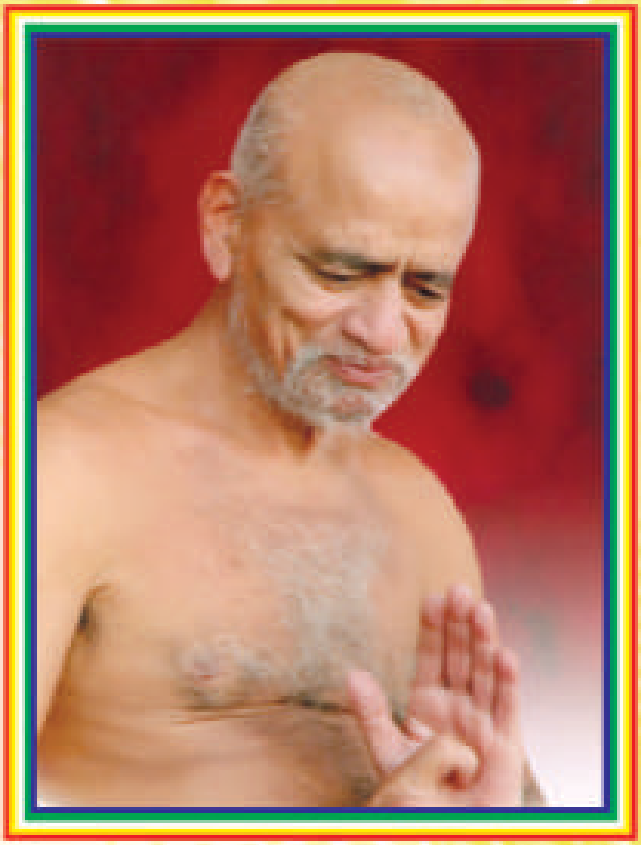

पूर्ण पथ लो,
पाप को पीठ दो,
वृत्ति सुखी हो।

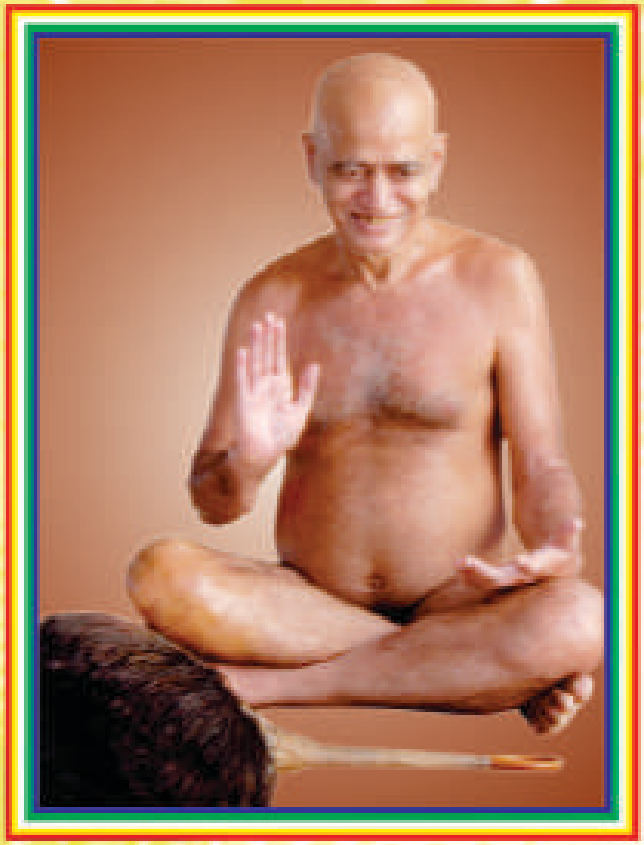

गुरु मार्ग में,
पीछे की हवा सम,
हमें चलाते।

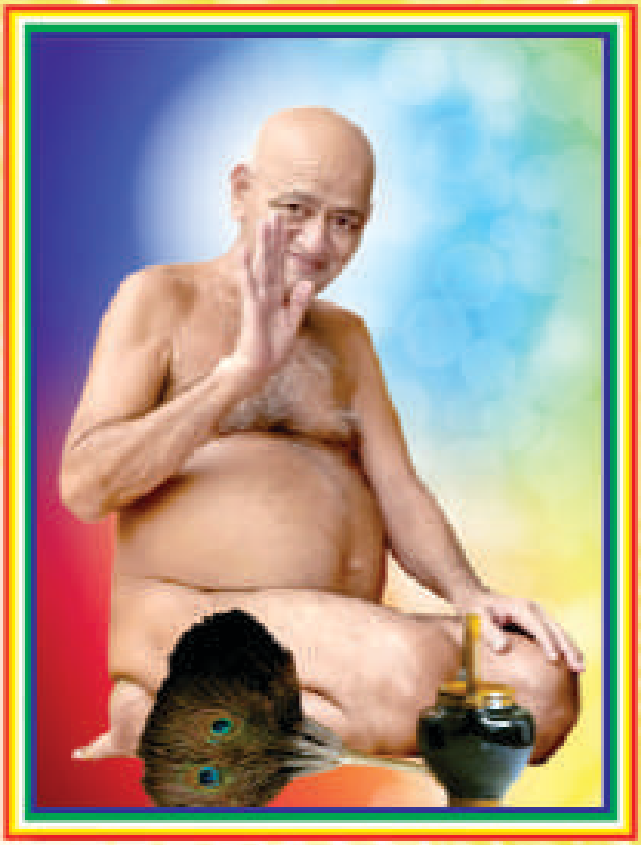

गुरु ने मुझे,
प्रकट कर दिया,
दीया दे दिया।

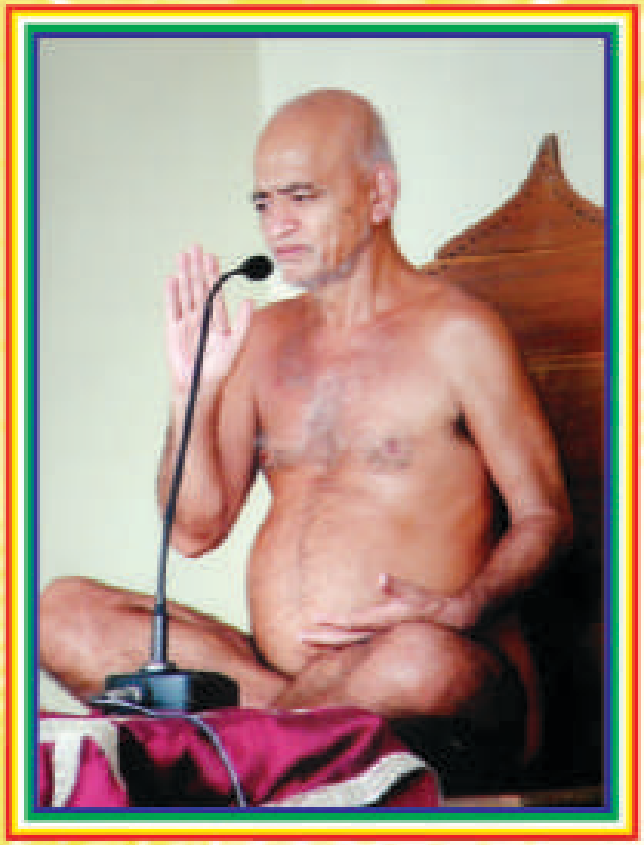

प्रश्नों से परे,
अनुत्तर हैं उन्हें,
उर में धारूँ।

बिना डाँट के,
शिष्य और शीशी का,
भविष्य ही क्या ?

कैसे, देखते,
संत्रस्त संसार को ?
दया मूर्ति हो।

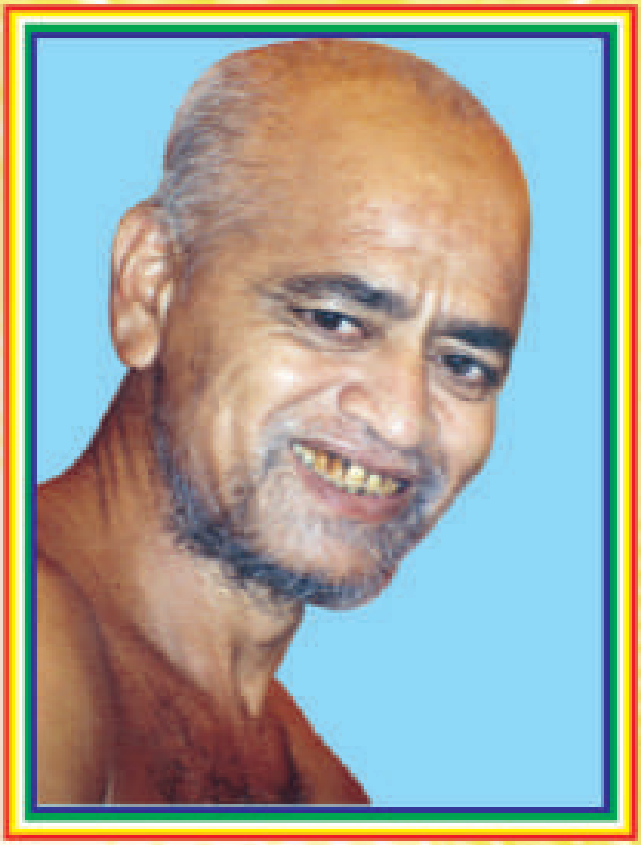

तेरा सो एक,
सो सुख,
अनेक में, दुःख ही दुःख।

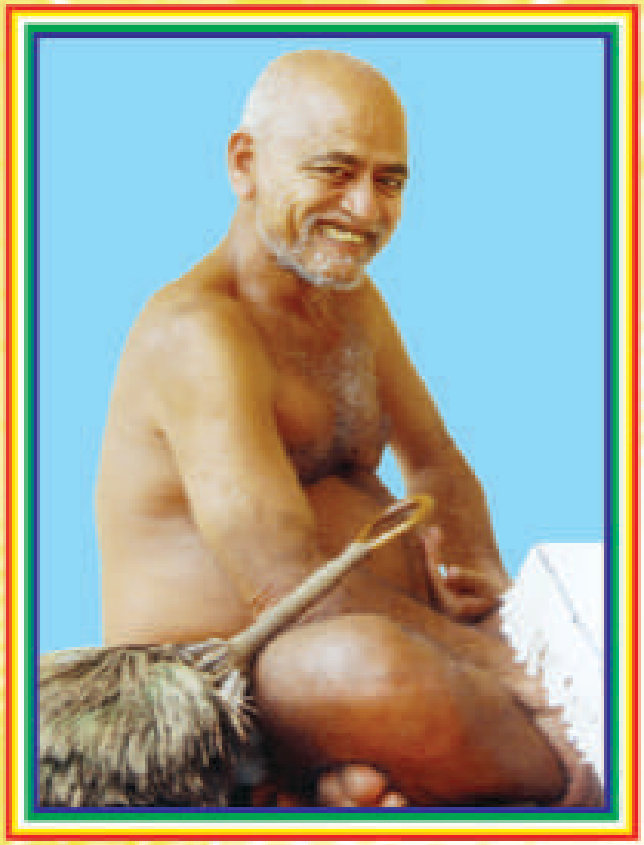

कभी न हँसो,
किसी पे, स्वार्थवश,
कभी न रोओ।

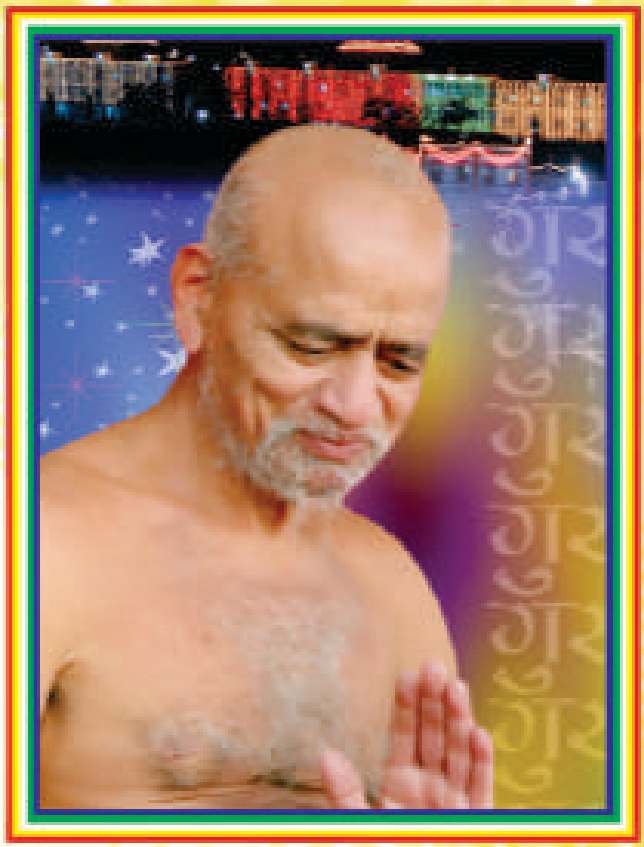

असमर्थन,
विरोध सा लगता,
विरोध नहीं।

गुरु कृपा से,
बाँसुरी बना,
मैं तो, ठेठ बाँस था।

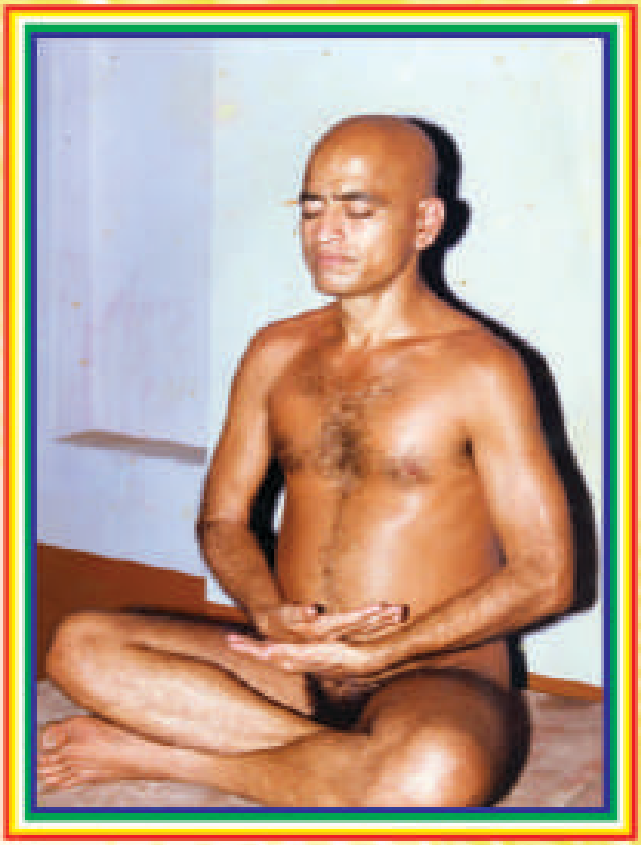

व्यापक कौन ?
गुरु या गुरु वाणी,
किससे पूछें ?

योग का क्षेत्र,
अन्तर्राष्ट्रीय नहीं,
अन्तर्जगत् है।

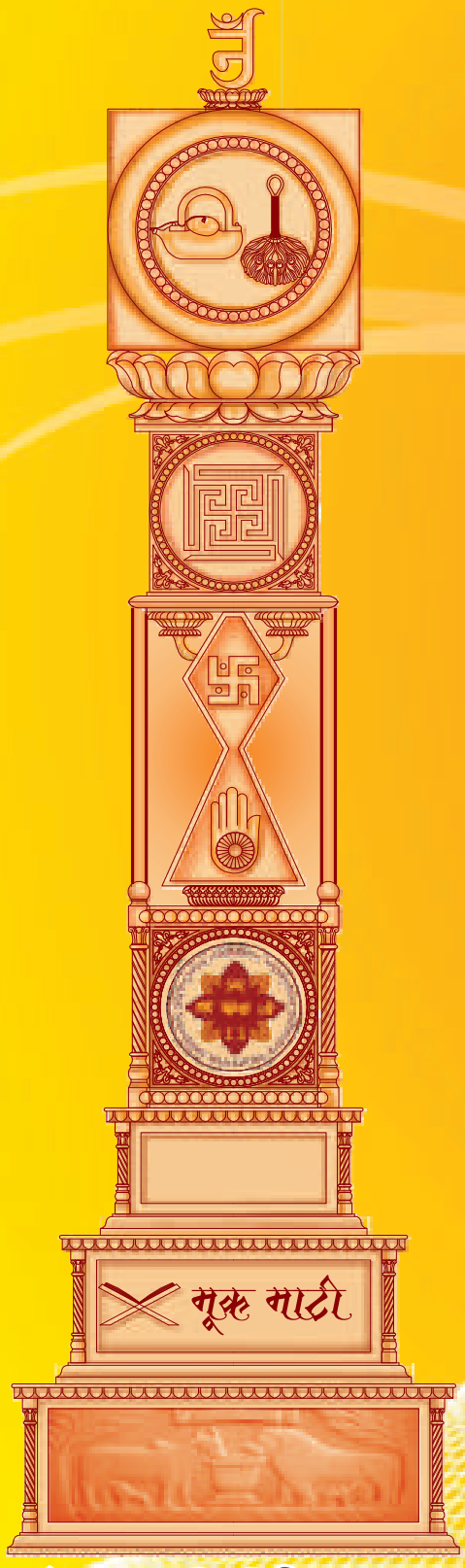

संयम कीर्ति स्तम्भ